page 1 and 8 Feb 6_page 1 Mar 25 final ds.qxd 06-02-2025 01:08 Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 युवाओं के लिए प्लंबिंग कोर्स आयोजित

5 टी 20 क्रिकेट में दुनिया के अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज बने राशिद खान

8 बेहतर उपज के लिए फरवरी में कृषि, बागवानी कार्यों को करें

न्यूनतम 6 मौसम जम्मू अधिकतम 19

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-35 | जम्मू तवी, वीरवार 06 फरवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

सभी सुरक्षा एजेंसियां घुसपैठ और आतंकवाद पर निर्ममता के साथ कठोर कार्रवाई करें: शाह

जम्मू एवं कश्मीर की सुरक्षा स्थिति पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

नई दिल्ली, 5 फरवरी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार जम्मू एवं कश्मीर से आतंकवाद को पूरी तरह समाप्त करने के प्रति कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के निरंतर और समन्वित प्रयासों के कारण जम्मू एवं कश्मीर में आतंकवाद का इकोसिस्टम काफी कमजोर हो गया है।

अमित शाह ने आज नई दिल्ली में जम्मू एवं कश्मीर की सुरक्षा स्थिति पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जम्मू एवं कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, जम्मू एवं कश्मीर के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक सहित गृह मंत्रालय और जम्मू एवं कश्मीर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

गृहमंत्री अमित शाह ने एक दिन पहले भी जम्मू एवं कश्मीर की सुरक्षा स्थिति पर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की थी जिसमें थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, और केंद्रीय गृह सचिव सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया था।

गृहमंत्री ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को घुसपैठ को पूरी तरह से रोकने का लक्ष्य रखकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षा एजेंसियां घुसपैठ और आतंकवाद पर निर्ममता के साथ कठोर कार्रवाई करें। आतंकवादियों के अस्तित्व को जड़ से खत्म करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

अमित शाह ने कहा कि नार्को नेटवर्क से घुसपैठ और आतंकियों को अपनी गतिविधियां चलाने में समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि नार्कोटिक्स के व्यापार से प्राप्त पैसे से हो रही टेरर फंडिंग के खिलाफ तत्परता से कार्रवाई करने की ज़रूरत है। अमित शाह ने एजेंसियों से नए आपराधिक कानूनों के मद्देनज़र फ़ोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) के पदों में नई नियुक्तियां करने का निर्देश दियाउन्होंने आतंकवाद-मुक्त जम्मू एवं कश्मीर के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आतंकवाद के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस की मोदी सरकार की नीति पर बल दिया। उन्होंने सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने और जम्मू एवं कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने के लिए तालमेल के साथ काम करना जारी रखने का निर्देश दिया। गृहमंत्री ने जम्मू एवं कश्मीर में सुरक्षा परिदृश्य के सभी मानकों में महत्वपूर्ण सुधार के लिए सुरक्षा एजेंसियों के प्रयासों की सराहना की।

महाकुम्भ में अचला सप्तमी स्नान पर्व पर 67.68 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

महाकुम्भ नगर, 05 फरवरी। प्रयागराज महाकुम्भ में अचला सप्तमी स्नान पर्व पर पतित पावनी मां गंगे, यमुना एवं अन्त- सलीला सरस्वती के पावन संगम में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित करने के लिए श्रद्धालुओं का आगमन निरन्तर जारी है। बुधवार रात 08 बजे तक 67.68 लाख से अधिक श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

अपर मेलाधिकारी महाकुम्भ विवेक चर्तेदी ने बताया कि अचला सप्तमी स्नान पर्व पर बुधवार की सुबह 8 बजे तक 10 लाख से अधिक कल्पवासी तथा 57.68 लाख से श्रद्धालुओं का आगमन हुआ। सुबह से रात 8 बजे तक कुल 67.68 लाख से अधिक श्रद्धालु संगम में डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित कर चुके है।

उल्लेखनीय है कि महाकुम्भ में 144 वर्ष ऐसे पुण्य संयोग में पहले अमृत स्नान मकर संक्राति से बसंत पंचमी तक अर्थात 04 फरवरी तक 38.29 करोड़ से अधिक श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं, मंगलवार रात से तीर्थयात्रियों का आगमन में वृद्धि हो गई। सुरक्षा के मद्देनजर सभी स्नान घाटों पर बचाव रात दल, जल पुलिस एवं गोताखोर लगातार निगरानी की जा रही है। घाटों से स्नान कर चुके श्रद्धालुओं को हटाने के लिए लगातार बाहर निकाला जा रहा है।

सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

अचला सप्तमी स्नान पर्व पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं एवं स्नानार्थियों ने स्नान कर भगवान सूर्य को

अर्घ्य देकर दीपदान किया। इस दौरान सम्पूर्ण महाकुम्भ मेला क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन व सुरक्षित स्नान संपन्न कराने हेतु व्यापक पुलिस प्रबंध किए गए।

इस अवसर पर पुलिस उप महानिरीक्षक वैभव कृष्ण व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी लगातार मेला क्षेत्र में रहकर सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करते रहे। सम्पूर्ण महाकुम्भ मेला क्षेत्र में पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से लगातार श्रद्धालुओ से अनुरोध किया जाता रहा कि मेला क्षेत्र में आने जाने वाले निर्धारित मार्गो का उपयोग करें एवं सकुशल स्नान कर अपने गंतव्य को वापस जाएं। मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरो के द्वारा चप्पे-चप्पे पर नजर रखते हुए सतर्कता बरती गई। मेला पुलिस कि सतर्कता के फलस्वरुप भगवान सूर्य के जन्मोत्सव का पर्व अचला सप्तमी सकुशल व सुरक्षित संपन्न हुआ।

आतंकी फंडिंग मामले में एसआईए ने बडगाम में दो जगहों पर की छापेमारी

श्रीनगर, 5 फरवरी । जम्मू-कश्मीर की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने बुधवार को आतंकी फंडिंग मामले में बडगाम जिले में दो जगहों पर छापेमारी की है।

एक अधिकारी ने बताया कि एसआईए ने बुधवार को बडगाम जिले में दो लोगों के यहां छापेमारी की गई है। इनमें से एक कार डीलर है, जबकि दूसरा एक व्यवसायी है। सूत्रों ने बताया कि एसआईए की यह छापेमारी आतंकी फंडिंग मामले की चल रही जांच का हिस्सा है। एसआईए स्थानीय सीआईडी की एक शाखा है और यह आतंकवाद से संबंधित अपराधों की जांच करती है। हवाला सौदे, आतंकी फंडिंग और आतंकवादियों और आतंकी नेटवर्क को वित्तीय सहायता की जांच एसआईए कर रही है।

उन्होंने बताया कि एसआईए ने आतंकवादियों की मदद करने में शामिल लोगों के खिलाफ भी जांच हुई और बाद में नामित कोर्ट में आरोपपत्र पेश किए। इनमें श्रीनगर शहर के हवाल इलाके में 2 सितंबर, 2020 को आतंकवादियों के हमले में मारे गए वकील बाबर कादरी की हत्या मामले में आरोपपत्र शामिल था। कादरी के हत्यारों के बारे में जानकारी जुटाने के लिए एसआईए ने 2023 में 10 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। वर्ष 2021 में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने दावा किया कि कादरी की हत्या में लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर साकिब मंजूर शामिल था। साकिब मंजूर को एक अन्य आतंकवादी कमांडर के साथ श्रीनगर में मुठभेड़ के दौरान मार गिराया गया था। हालांकि वर्ष 2022 में पुलिस ने मामले में श्रीनगर के बरजुल्ला इलाके में मियां कयूम के आवास सहित तीन वकीलों के घरों पर छापेमारी की। पुलिस ने मामले में श्रीनगर में दो जेल कैदियों सहित पांच स्थानीय लोगों पर भी निशाना साधा था। अपनी हत्या से पहले कादरी ने तत्कालीन हाई कोर्ट बार एसोसिएशन (कश्मीर) के अध्यक्ष मियां कयूम पर उन्हें मारने की साजिश रचने का आरोप लगाया था। 80 वर्षीय मियां कयूम को बाद में एसआईए की एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने गिरफ्तार कर लिया। एसआईटी ने दावा किया कि कादरी की हत्या में मियां कयूम की भूमिका के बारे में दस्तावेजी और तकनीकी सबूत हैं। कोर्ट में पेश किए गए आरोपपत्र में मियां कयूम को हत्या का मुख्य साजिशकर्ता बताया गया है।

गुलमर्ग बना कश्मीर का सबसे ठंडा स्थान

श्रीनगर, 5 फरवरी। कश्मीर में रात का तापमान शून्य से नीचे बना हुआ है और गुलमर्ग का स्की रिसॉर्ट कश्मीर का सबसे ठंडा स्थान बन गया है। मौसम विभाग ने कहा कि दक्षिण कश्मीर में पहलगाम और कोकरनाग के साथ-साथ उत्तरी कश्मीर में कुपवाड़ा सहित कश्मीर के कुछ हिस्सों में पिछले 24 घंटों में हल्की बारिश हुई। बुधवार को छिटपुट हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना है।

गुरुवार से मौसम आंशिक रूप से बादल छाए रहने और शुष्क रहने की संभावना है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले में गुलमर्ग -7.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया जिससे यह क्षेत्र में सबसे ठंडे इलाकों में से एक बन गया।

एसएचओ, एसडीपीओ, डीएसपी विशेष पुलिस अधिकारी के रूप में किए जाएंगे नियुक्त

जम्मू, 5 फरवरी । जम्मू-कश्मीर गृह विभाग ने अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम, 1956 की धारा 13 (1) के तहत एक अधिसूचना जारी की है जिसमें सभी स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) जो इंस्पेक्टर के पद से नीचे न हों, साथ ही जम्मू-कश्मीर पुलिस मुख्यालय में उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) और पुलिस उपाधीक्षक (डीवाईएसपी) अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में विशेष पुलिस अधिकारी के रूप में नियुक्त किए जाएंगे।

अब जम्मू में नहीं बच पाएंगे अपराधी, डीआईजी ने दिए सख्त निर्देष

जम्मू, 5 फ़रवरी । जम्मू में बढ़ती अपराध की वारदातों को लेकर डीआईजी शिव कुमार शर्मा ने आज अधिकारियों की एक विषेश बैठक का आयोजन किया। जिसमें जम्मू में अपराध नियंत्रण और अपराधियों और गैंगस्टरों के खिलाफ कार्य योजना बनाने को लेकर सख्त निर्देष पुलिस अधिकारियों को दिए गए। बैठक के दौरान विभिन्न खुफिया एजेंसियों ने इन अपराधियों, गैंगस्टरों और उनकी गतिविधियों के तरीके, इन अपराधियों को वित्तीय सहायता, हथियार, वाहन, आश्रय और उनके संचार के तरीके के बारे में अपना अवलोकन दिया। डीआईजी ने ऐसे अपराधियों की उचित सूची बनाए रखने का भी निर्देश दिया ताकि उनकी गतिविधियों पर उचित निगरानी रखी जा सके। उन्होंने उनके वित्तीय घेरे के नेटवर्क को तोड़ने, उनकी संपत्तियों को जब्त करने का भी निर्देश दिया जो उन्होंने जबरन वसूली, जमीन हड़पने, संपत्ति के सौदे आदि सहित अवैध व्यापार के माध्यम से जमा की हैं। इन अपराधियों के समर्थन तंत्र पर नजर रखी जाए और उन्हें समर्थन और आश्रय प्रदान करने वाले उनके रिश्तेदारों/दोस्तों सहित कानून के तहत मामला दर्ज किया जाए।उन्होंने कहा कि गैंगस्टर अपराधियों और जम्मू के शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने की कोशिश करने वाले तत्वों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएं। जम्मू में चोरी, गोलीबारी, डकैती की हालिया घटनाओं के संबंध में अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए। ड्रग्स के मुद्दे पर बोलते हुए डीआईजी ने अधिकारियों से इस बुराई को खत्म करने के लिए एक मिशन चलाने को भी कहा। उन्होंने अवैध ड्रग व्यापार में शामिल नेटवर्क की पहचान करने और उसे खत्म करने के लिए गहन प्रयास करने का आह्वान किया। डीआईजी ने कहा कि किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपराधिक गैंगस्टर गतिविधियों का महिमामंडन नहीं किया जाएगा। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे उन लोगों पर कानूनी कार्रवाई करें जो सोशल मीडिया या टीवी, पोर्टल साक्षात्कारों के माध्यम से गैंगस्टर और अपराधियों का महिमामंडन कर रहे हैं।इसके अलावा मीडिया बिरादरी से भी इन गैंगस्टर और अपराधियों के नेटवर्क को उजागर करने का अनुरोध किया गया जो हमारे युवाओं को बिगाड़ रहे हैं। इन नामित अपराधियों और गैंगस्टरों के परिवार के सदस्यों और माता-पिता को चेतावनी दी जाती है कि वे उन्हें शरण न दें, उन्हें भी पुलिस की कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा

अवैध प्रवासी भारतीयों को लेकर अमृतसर पहुंचा अमेरिकी विमान

चंडीगढ़/अहमदाबाद, 05 फरवरी। अमेरिकी वायुसेना का विमान सी-17 बुधवार दोपहर को अवैध प्रवासी भारतीयों को लेकर पंजाब के अमृतसर एयरपोर्ट पर पहुंचा। यह अवैध प्रवासी भारतीयों का पहला जत्था है।

इस विमान में पहुंचे प्रवासी भारतीयों की संख्या की आधिकारिक तौर पर जानकारी नहीं दी गयी है, लेकिन एयरपोर्ट के सूत्रों ने इनकी संख्या 104 बतायी है। अमेरिका ने करीब 18 हजार ऐसे भारतीयों की पहचान की है, जो वहां कथित तौर पर अवैध रूप से रह रहे हैं। सभी को भारत भेजा जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक, प्रवासी भारतीयों में गुजरात के 33, पंजाब के 30, उत्तर प्रदेश के तीन, हरियाणा के 33, चंडीगढ़ के दो, महाराष्ट्र के तीन लोग शामिल हैं। इमिग्रेशन अधिकारी उनके कागज और रेकॉर्ड विधिवत चेक करने के बाद उन्हें उनके शहरों के लिए रवाना करेंगे। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ के लोगों को सड़क मार्ग से रवाना किया जाएगा।

दिल्ली विधानसभा के लिए मतदान समाप्त, 5 बजे तक 57.70 प्रतिशत मतदान

नई दिल्ली, 5 फ़रवरी । दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए बुधवार को सुबह 7 बजे से जारी मतदान शाम 6 बजे समाप्त हो गया। हालांकि कुछ मतदान केन्द्रों में कतार के कारण मतदान अभी जारी है। दिल्ली में शाम 5 बजे तक औसतन 57.70 प्रतिशत मतदान हुआ है। लोकसभा चुनावों के दौरान दिल्ली में 58.78 प्रतिशत मतदान हुआ था। चुनाव आयोग के अनुसार शाम 5 बजे तक दिल्ली के विभिन्न जिलों में मतदान का प्रतिशत अलग-अलग रहा है। केन्द्रीय दिल्ली में 55.24, पूर्वी दिल्ली 58.98, नई दिल्ली 54.37, उत्तरी दिल्ली 57.24, उत्तर पूर्वी दिल्ली 63.83, उत्तर पश्चिमी दिल्ली 58.05, शाहदरा 61.35, दक्षिणी दिल्ली 55.72, दक्षिण पूर्वी 53.77, दक्षिण पश्चिमी 58.86, पश्चिमी दिल्ली 57.42 प्रतिशत मतदान हुआ है। मुस्तफाबाद सीट के लिए अपराह्न पांच बजे तक सबसे अधिक मतदान 66.68 प्रतिशत हुआ। इसके बाद सीलमपुर में 66.41 प्रतिशत मतदान हुआ है। सबसे कम मतदान करोल बाग 47.40 मॉडल टाउन में 51.29, कालकाजी में 51.81 और चांदनी चौक 52.76 प्रतिशत हुआ। कई सीटों पर मतदान 60 प्रतिशत से ज्यादा पहुंच गया है। इसमें मटिया महल, त्रिलोकपुरी, नरेला, रोहणी, बादली, गोकुलपुर, करावलनगर, किरारी, मंगोलपुरी, बाबरपुर, रोहतासनगर, सीमापुरी, शादरा, छत्तरपुर, और नजफगढ़ सीट शामिल है। राष्ट्रीय राजधानी में निवास करने वाले महत्वपूर्ण हस्तियों ने भी मतदान किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति एस्टेट में स्थित डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय विद्यालय में बने केन्द्र पर मतदान किया।

मुख्यमंत्री उमर ने बजट पूर्व बैठकों की अध्यक्षता की, लोगों के अनुकूल बजट का आश्वासन दिया

जम्मू 05 फरवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के लिए लोगों के अनुकूल बजट पेश करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई, और इस बात पर जोर दिया कि बजट निर्माण में सार्वजनिक प्रतिनिधियों की भागीदारी लोगों की आकांक्षाओं और जरूरतों को प्रतिबिंबित करना सुनिश्चित करती है। नागरिक सचिवालय जम्मू में बजट-पूर्व परामर्श बैठकों की एक श्रृंखला की अध्यक्षता करते हुए और अनंतनाग, बडगाम, कठुआ और सांबा जिलों के विधान सभा के सदस्यों और जिला विकास परिषद के अध्यक्षों द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलों से जुड़े हुए, मुख्यमंत्री ने भागीदारी शासन को बढ़ावा देने में इस तरह की गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष और चरार-ए-शरीफनिर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि एडवोकेट अब्दुल रहीम राथर ने भी अपने कार्यालय से वस्तुत: बैठक में भाग लिया। बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, अतिरिक्त

मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, प्रमुख सचिव वित्त संतोष डी. वैद्य, महानिदेशक बजट जम्मू-कश्मीर, कठुआ, सांबा, अनंतनाग और बडगाम जिलों के उपायुक्त, डीडीसी अध्यक्ष, विधायक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। अपने संबोधन में, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, इन परामर्शों का प्राथमिक उद्देश्य बजट को अंतिम रूप देने से पहले प्रमुख हितधारकों से मूल्यवान सुझाव इकट्ठा करना है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यह बजट सिर्फसरकार का नहीं, बल्कि जनता द्वारा, जनता के लिए हो। आपकी आवाज़ का प्रतिनिधित्व किया जाएगा, क्योंकि आप जम्मू-कश्मीर के लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अएचएडीपी के तहत महिला किसानों को सशक्त बनाने से जम्मू-कश्मीर में सतत विकास होता है : कृषि मंत्री

कठुआ 05 फरवरी। कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग के मंत्री जावेद अहमद डार ने समग्र कृषि विकास कार्यक्रम के तहत प्रगतिशील कृषि गतिविधियों की निगरानी के लिए कठुआ जिले का व्यापक दौरा किया। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि एचएडीपी के तहत किसानों, विशेषकर महिला किसानों का सहयोग प्रगतिशील कृषि पद्धतियों को चला रहा है और जम्मू-कश्मीर में सतत विकास सुनिश्चित कर रहा है। दौरे के दौरान, मंत्री ने पथवाल में कृष्णा मिलेट रेस्तरां का निरीक्षण किया, जो एक महिला नेतृत्व वाली पहल है जो बाजरा आधारित स्वस्थ व्यंजनों को बढ़ावा देती है। उन्होंने इसमें शामिल महिलाओं की उद्यमशीलता की भावना की सराहना की, स्वादिष्ट बाजरा व्यंजनों का आनंद लिया और दूसरों को पोषण संबंधी जागरूकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए ऐसे उद्यमों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। मंत्री ने जंदी मशरूम गांव का भी दौरा किया, जहां उन्होंने मशरूम की खेती, वर्मीकम्पोसि्टंग और गेहूं की फसल प्रबंधन सहित एकीकृत कृषि प्रथाओं की बारीकी से निगरानी की। मंत्री ने नीलम देवी जैसे स्थानीय किसानों और महिला उद्यमियों से बातचीत की, जिन्होंने सफलतापूर्वक 2,000 मशरूम बैग स्थापित किए हैं, और रजनी देवी, जिन्होंने 1,000 मशरूम बैग स्थापित किए हैं और एचएडीपी के तहत विभाग द्वारा प्रदान की गई वर्मीकम्पोसि्टंग इकाई का सक्रिय रूप से प्रबंधन कर रही हैं। जंडी पंचायत ने सामूहिक रूप से 10,000 से अधिक मशरूम बैग स्थापित किए हैं, जो मशरूम की खेती में क्षेत्र की क्षमता को प्रदर्शित करते हैं। बातचीत के दौरान, मंत्री ने महत्वाकांक्षी उद्यमियों, विशेषकर महिलाओं के लिए सहायता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने उनसे विदेशी सब्जियों की खेती में अवसरों का पता लगाने का आग्रह किया, साथ ही सरकार क्लस्टर-आधारित पॉलीहाउस सुविधाओं, उच्च तकनीक वाली कृषि तकनीकों और आधुनिक कृषि मशीनरी तक पहुंच के माध्यम से आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने पशुधन खेती को समर्थन देने और ग्रामीण आजीविका में सुधार के लिए चारे की खेती के महत्व पर भी प्रकाश डाला। मंत्री ने पथवाल में मृदा परीक्षण मिनी लैब और किसान खिदमत घर का दौरा किया और उनके कामकाज का जायजा लिया। उन्होंने मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाने, किसानों को बेहतर फसल पैदावार और टिकाऊ कृषि पद्धतियों के लिए नियमित रूप से अपनी मिट्टी का परीक्षण करने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

डोडा के गुलडांडा में अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद

डोडा, 5 फरवरी । डोडा जिले के गुलडांडा इलाके में बुधवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ है।

अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह कुछ राहगीरों ने गुलडांडा में एक व्यक्ति का शव देखा।

उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी जिसके बाद जल्द ही पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर चिकित्सीय-कानूनी औपचारिकताओं के लिए भेज दिया।

इस बीच पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

जावेद डार ने जम्मू-कश्मीर में पर्यावरण-अनुकूल विकास का समर्थन किया

कठुआ 05 फरवरी। कृषि उत्पादन और ग्रामीण विकास विभाग मंत्री जावेद अहमद डार ने पर्यावरण संरक्षण और जल प्रबंधन की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर देते हुए तेजी से विकास और व्यावसायीकरण से उत्पन्न चुनौतियों को रेखांकित किया।

जीडीसी हीरा नगर में भारत सरकार के ग्रामीण विकास विभाग की एक पहल, वाटरशेड यात्रा के ध्वज-ऑफ समारोह में बोलते हुए, मंत्री ने शहरीकरण और औद्योगिक विस्तार के कारण बढ़ती पर्यावरण संबंधी चिंताओं पर प्रकाश डाला।

इस अभियान को राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जावेद डार, जो सहकारिता और चुनाव विभाग के मंत्री भी हैं, ने इस बात पर जोर दिया कि विकास को पारिस्थितिक संतुलन के अनुरूप ही अनुमति दी जानी चाहिए और लोगों से अधिक गिरावट के खिलाफ हमारे पर्यावरण की सुरक्षा में उनके संवेदनशील योगदान के लिए यात्रा का हिस्सा बनने का आग्रह किया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों, विशेष रूप से

जल निकायों और वन क्षेत्र को संरक्षित करने की तात्कालिकता पर जोर दिया। मंत्री ने कहा हम आधुनिकीकरण और व्यावसायीकरण की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन पर्यावरणीय स्थिरता के साथ प्रगति को संतुलित करना हमारी जिम्मेदारी है। जल संरक्षण और वनीकरण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने टिकाऊ प्रथाओं की आवश्यकता पर बल दिया और कहा हम कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, लेकिन उनका समाधान करना हमारा कर्तव्य है। हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए, जल का संरक्षण करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारा पर्यावरण टिकाऊ बना रहे।

विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल है इंडिया गेट

इंडिया गेट जो विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल एक द्वार है और यह दिल्ली में स्थित है.हर साल लाखों सैलानी इस द्वार को देखने आते हैं.हर साल 26 जनवरी के दिन इंडिया गेट के सामने गणतंत्र दिवस की परेड कराई जाती है.

जी हां दोस्तों आज का हमारा लेख इंडिया गेट से संबंधित है.आज हम आपको इंडिया गेट से जुड़े वे सभी रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपने आज से पहले शायद ही कहीं पढ़े होंगेतो चलिए जानते हैं

- इंडिया गेट की ऊंचाई 43 मीटर है विश्व का सबसे बड़ा युद्ध स्मारक है.
- क्या आप जानते हैं इंडिया गेट को प्राचीन समय में किंग्सवे के नाम से जाना जाता था और इसका डिजाइन सर एडवर्ड लुटियन्स ने बनाया था.
- इंडिया गेट के सामने स्थापित छतरी में जार्ज पंचम की एक मूर्ति स्थापित थी जिसे बाद में यहाँ से हटाकर कोरोनेशन पार्क में स्थापित कर दिया गया था.
- आपको जानकर गर्व होगा इंडिया गेट का निर्माण प्रथम विश्वयुद्ध में शहीद हुऐ 80,000 से अधिक भारतीय सैनिकों की याद में किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट पर 13300 अधिकारियों और सौनिकों के नाम अंकित हैं.
- इंडिया गेट के नीचे चारों कोनों पर अमर जवान ज्योति हमेशा जलती रहती है जिसे वर्ष 1971 में भारत पाक युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों की याद में स्तापित किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट की नींव 1921 में ड्यूक ऑफ कनॉट ने रखी थी और इस स्मारक को बनने में पूरे 10 वर्षों का समय लगा था.
- इंडिया गेट को देखने के लिए भारतीय टूरिस्टो के साथ साथ विदेशी सैलानी भी इस द्वार पर आते है.
- शाम के समय इंडिया गेट के चारों ओर लगी रोशनियों से इसे जगमगा दिया जाता है.जिससे एक भव्य दृश्य बनता है जो हमारी आँखों को एक सुखद अहसास देता है.
- आप इस स्मारक के पास से राष्ट्पति भवन को भी निहार सकते है.

अब मछली नहीं उड़ती

बहुत पुरानी बात है। उन दिनों मछलियां तैरने के साथ उड़ भी सकती थीं। मछली का मन करता, तो वह दूर आसमान में जा उड़ती। तैरने का मन करता, तो नदी के अंदर चली जाती।
एक दिन बगुले का जोड़ा कहीं जा रहा था। बगुला मछली से बोला, हमारे अंडों का ध्यान रखना। हम किसी से मिलकर आते हैं।
दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने कहां चली गई? उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। हमारे अंडों का ध्यान रखना। उन सबके लौटने तक मछली ने अंडों का ध्यान रखा।
शाम हुई, तो चुहिया ने मछली से कहा, मैं घूमने जा रही हूं। मेरे बच्चे अकेले हैं। मछली पहरा देने लगी। चुहिया रात को लौटी। मछली जाने को हुई, तो गिलहरी ने आवाज लगाई, अमरूद पक गए होंगे, तो मुझे बताना।
मछली उड़ी और अमरूद के पेड़ के फल देख आई। फिर गिलहरी को बताया, अमरूद पक चुके हैं।
मछली जाने लगी, तो एक सांप ने पूछा, कहां जा रही हो?
मछली बोली, अब थक गई हूं। पानी में तैरने जा रही हूं।
सांप ने हंसते हुए कहा, आज की थकान तो दूर हो जाएगी। मगर कल क्या होगा?
मछली ने चौंकते हुए पूछा, मतलब?
सांप ने जवाब दिया, मतलब यह है कि हर कोई तुम पर रोब जमाता है। मोर, बगुले, चुहिया, गिलहरी तक तुम से अपना काम करा लेते हैं। क्यों?
मछली सोच में पड़ गई।
सुबह हुई। बगुले का जोड़ा मछली के पास आया और वही बात कहकर उड़ चला। मछली को सांप की बात याद थी। उसने मुंह बनाया, हुंह! मैं नदी में तैरने जा रही हूं। शाम तक बाहर नहीं आऊंगी।
बस फिर क्या था। सांप को इसी पल का इंतजार था। बगुलों के वापस आने से पहले वह उनके अंडे खा चुका था।
दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने फिर कहां चली गई। मैं उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। अंडों का ध्यान रखना। मछली ने मोर की बात को अनसुना कर दिया। वह घने पेड़ के पीछे आराम करने लगी। सांप ने मोरनी के अंडों को भी चट कर डाला।
शाम हुई, तो चुहिया ने मछली को बुलाया। रोज की तरह वह टहलने चली गई। मछली उड़ी और आसमान में गायब हो गई। अब सांप चुहिया के बच्चों को निगल गया।
रात हुई, तो गिलहरी ने मछली से कहा, अमरूद पक गए हैं। मैं भी कुछ अमरूद खा आती हूं। मेरे बच्चों का ध्यान रखना। गिलहरी के जाते ही मछली ने नदी में गोता लगाया। वह तैरती हुई नदी के दूसरे तट पर जा पहुंची। सांप ने गिलहरी के बच्चों को भी अपना निवाला बना लिया।
सुबह हुई, तो सभी ने मछली को घेर लिया। बगुला आगबबूला होकर चिल्लाया, मेरे अंडे कहां हैं?
चुहिया और गिलहरी ने अपने बच्चों के बारे में पूछा। मछली ने जवाब दिया, मुझे क्या पता?
बगुले को गुस्सा आ गया। उसने मछली को दबोच लिया। मछली ने डरते-डरते सारा किस्सा सुनाया।
किस्सा सुनकर चुहिया बोली, एक सांप की बातों में आकर तुमने हमारा भरोसा तोड़ा है। मैं तुम्हें उड़ने लायक नहीं छोड़ूंगी। चुहिया ने मछली के पंख कुतर डाले। गिलहरी ने कहा, आज से तुम उड़ नहीं पाओगी। मछली नदी में जा छिपी। बगुला बोला, कहां जाती हो। मैं तुम्हें पानी में भी नहीं छोड़ूंगा। तभी से बगुला मछली की ताक में रहता है। वहीं मछली अब उड़ नहीं पाती है।

बादलों का सीना चीरकर उड़ने वाले पक्षी बाज के बारे में आप भली-भांति जानते होंगे.बाज एक ऐसा पक्षी है जो बादलों से भी ऊपर उड़ सकता है और इसके साथ ही यह पक्षी बहुत तेज रफ्तार से उड़ता है. उदाहरण के तौर पर बाज 380 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक उड़ सकता है.

आसमान का राजा बाज

बाज आसमान में लगभग 12000 फीट ऊंचा उड़ सकता है यह बारिश के दिनों में हमेशा बादलों के ऊपर उड़ता है शायद इसीलिए इसे आसमान का राजा भी कहा जाता है. बाज हवा में एक जगह मंडरा सकते हैं जैसे एक पतंग हवा में एक जगह उड़ती रहती है.एक वैज्ञानिक शोध के अनुसार बाज की नजर बहुत तेज होती है यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर दूर से ही देख सकता है साथ ही इनकी आंखों में इन्फ्रारेड सिस्टम विकास हो गया है जिसकी वजह से यह है शिकार के शरीर से निकलने वाली गर्मी को पहचान कर उसका शिकार कर सकता है.बाज की नजर का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बाज को आसमान से ही पानी में तैरती हुई मछली दिखाई दे जाती है और बाज पानी में गोता लगाकर मछली को पकड़ सकता है.

बाज की चोंच एक अलग तरह से बनी होती है इनकी चोच 90 डिग्री के कोण पर मुड़ी हुई होती है चोच के दोनों तरफ एक छोटा दांत बाहर निकला हुआ होता है.यह अपने शिकार को देखते हैं लगभग 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार की तरफ बढ़ते है.और जैसे ही कोई मेंढक या चूहा पकड़ते है तो उसकी गर्दन पर ऐसी जगह पर वार करते है जिससे उसका नर्वस सिस्टम काम करना बंद कर देता है. जिसे शिकार मुकाबला नहीं कर पाता है और मारा जाता है.बाज अपने से दो गुना बड़े शिकार को पकड़ सकता है, कभी-कभी यह अपने से इतने बड़े शिकार को पकड़ लेते हैं कि एक बार में उसे खा भी नहीं पाते है.क्थद्दद्यद्द शिकार करके अपने भोजन को ऊंची पहाड़ियों में बने अपने घोसलों में छोड़ देते है. और बाद में जब इन्हें भूख लगती है तब यह उस शिकार को आ कर खा लेते है.बाज की आंखें अपने शिकार को बिना पलक झपकाए अधिक समय तक देख सकती हैं इसी कारण ये अपने शिकार से कम ही चुकते है. बाज एक मांसाहारी पक्षी होता है इसका भोजन सांप, मछली, मेंढक, खरगोश, चूहे और छोटे पक्षी होते है. यह पक्षी लगभग पूरी दुनिया में ही पाया जाता है यह ज्यादातर ऊंची पहाड़ियों और चट्टानों पर अपना घोंसला बनाते है लेकिन ज्यादातर बाज पक्षी दूसरे पक्षियों के घोंसलों पर कब्जा करके यह रहते है.विश्व भर में इसकी 60 से भी अधिक प्रजातियां पाई जाती है.एक वयस्क बाज का वजन लगभग 10 किलो तक हो सकता है.इसके फल का आकार में बहुत बड़े और पतले होते हैं जिसके कारण यह ज्यादा देर तक हवा में उड़ पाते है.मादा बाज पक्षी साल में एक बार 3 से 4 अंडे देती है और जब तक उनमें से उसके बच्चे नहीं निकल आते है वह उनके ऊपर बैठी रहती है. बाज के बच्चे अंडे में से औसतन 35 से 40 दिनों के अंदर बाहर निकल आते है.एक बाज की औसतन आयु 60 से 70 वर्ष होती है.उनके पंख और सोच लगातार बढ़ती रहती है इसलिए जैसे-जैसे यह व्यस्त होते है. इन्हें अपनी चोच से भोजन खाने में दिक्कत होने लगती है इसीलिए यह चट्टानों पर जाकर अक्सर अपनी चोच घिसते रहते है.इनके पंजों की बात करें तो पैर के पंजे बहुत ही ताकतवर और नुकीले होते हैं जिससे यह किसी भी सांप या मछली को अगर एक बार पकड़ ले तो उसके बाद छोड़ते नहीं है.यह पक्षी ज्यादातर अकेले रहना ही पसंद करता है.

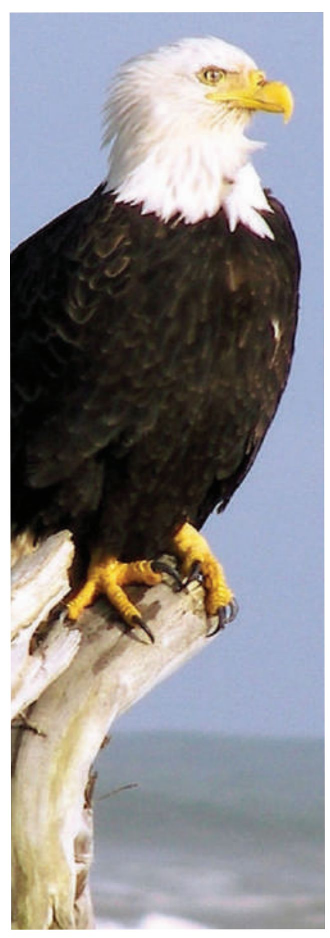

- बाज पक्षियों में सबसे बड़ा पक्षी होता है.
- बाज एक मांसाहारी पक्षी है.
- यह मुख्य रूप से भोजन में सांप, मछली, चूहा, मेंढक इत्यादि खाते है.
- बाज आसमान में बिना पंखों को हिलाएं हवा में अधिक समय तक उड़ सकता है.
- यह लगभग दुनिया के हर देश में पाया जाता है और दुनिया भर में इसकी 60 से अधिक प्रजातियां अभी तक खोजी जा चुकी है.
- यह पक्षी अकेले में जंगलों में पहाड़ियों के ऊपर रहना पसंद करता है.
- क्या आप जानते हैं जब भी पक्षियों के राजा की बात आती है तो उनमें बाज का नाम सबसे पहले लिया जाता है.क्योंकि यही एक मात्र ऐसा पक्षी है जो तेज रफ्तार के साथ ही शारीरिक रूप से भी सर्वाधिक शक्तिशाली माना जाता है.
- बाज मांसाहारी जीवो की श्रेणी में आता है और इसका जीवनकाल लगभग 40 वर्ष से लेकर 70 वर्ष का होता है.
- बाज तेजी से उड़ने और सतह पर चलने की लिए भी जाना जाता है. यह पक्षी सतह पर भी गजब की तेजी से दौड़ता है.
- बाज के शरीर की बनावट जैसे छाती की मजबूत मांसपेशियाँ , लम्बे पंख और स्ट्रीमलाइन आकार के फाल्कन सही मायने में इस पक्षी को गजब की रफ्तार देने के लिए ही बने है.
- बाज के शरीर की लंबाई 13 से 23 इंच तक हो सकती है तथा बाज क पंखो लंबाई 29 से 34 इंच तक होती है.इसके साथ ही मादा बाज का आकार नर बाज से बड़ा होता है.
- बाज के पसंदीदा शिकारो में चिड़िया, कबूतर, चूहा ट बत्तख इत्यादि का शिकार ज्यादातर करता है.
- बाज आकाश में 12000 फीट की उंचाई तक उड़ान भर सकता है
- क्या आप जानते है बाज की अब तक लगभग 2000 प्रजाति खोजी जा चुकी है.
- अगर आप बाज को नहीं पहचानते तो इसे जानने के लिए नीली स्लेटी और उसी रंग के लम्बे नुकील पंखो और पेट पर सफेद एवं काले धब्बो से पहचाना जा सकता है.
- आपको जानकर हैरानी होगी द्वितीय विश्व युद्ध में कबूतरों द्वारा भेजे संदेशो को रोकने के लिए घुमन्तु बाज का इस्तेमाल किया जाता था.
- जंगलो में रहने वाले आदिवासी ज्यादातर छोटे -छोटे पक्षियों के शिकार के लिए बाज का सहारा लेते हैं.
- बाज एक ऐसा पक्षी है जो अंटार्टिका के इलावा समूचे विश्व में पाया जाता है.
- बाज ही एकमात्र ऐसा शिकारी पक्षी है जो शिकार के लिए इंसान के 2 साल के बच्चे को भी उठा कर ले जा सकता है.
- मादा बाज 1 से लेकर 3 अंडे देती है और लगभग बाज 34 से 36 दिनों तक अण्डों पर बैठती है जिसके बाद अण्डों में से बच्चे बाहर निकल आते हैं
- क्या आप जानते है एक स्वस्थ बाज 6 किलोग्राम वजन को उठा कर हवा में उड़ सकता है.
- जिस तरह बाज तेजी का प्रतिक माना जाता है ठीक इसी प्रकार बाज के बच्चे का भी बहुत तेजी से विकास होता हैं यह 6 सप्ताह में 3-4 किलो हो जाता हैं.
- बाज की नजर भी बहुत तेज होती है उदाहरण के तोर पर यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर की दूरी पर भी देख लेता है.

प्रति सेकंड 130 फ्रेम देख सकता है पेरग्रिन बाज

पशु-पक्षियों की दुनिया में पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तेज होती है। एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया के सबसे सामान्य परभक्षी पक्षियों में शुमार यह बाज एक सेकंड में लगभग 130 फ्रेम देख सकता है। स्वीडन की लुंड यूनिवर्सिटी सहित कई शोधकर्ताओं का कहना है कि इसकी तुलना में इंसान प्रति सेकंड अधिकतम 50-60 फ्रेम ही देख पाते हैं। उन्होंने कहा कि कोई शख्स मूवी थिएटर में बतौर फिल्म प्रति सेकंड 25 छवियों की गति ही देख सकता है। वह भी उसे छवियों की शृंखला के रूप में नहीं देख सकता है। जर्नल ऑफ एक्सपेरिममेंटल बायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तीव्र होती है। तेज प्रकाश वाले वातावरण में उसकी दृष्टि 129 एचजेड (प्रति सेकेंड पलक झपकाना) होती है। इन्हीं परिस्थितियों में सेकर बाज 102 एचजेड और हैरिस की देखने की क्षमता 77 एचजेड होती है। ऐसा पहली बार है, जब वैज्ञानिकों ने परभक्षी पक्षियों की दृष्टि की गति का अध्ययन किया है। इसके लिए उन्होंने यह गणना की कि वे कितने दृश्यों का अनुभव कर सकते हैं। अध्ययन के सह लेखकों में एक लुंड यूनिवर्सिटी के एल्मट केल्बर ने कहा, 'मेरे सहयोगी साइमन पोटियर और मैंने सेकर और हैरिस प्रजाति के बाजों का अध्ययन किया। इस दौरान यह भी गणना की कि ये कितनी तेज रोशनी में झपकी ले सकते हैं।' शोधकर्ताओं ने कहा कि परभक्षी पक्षियों की नजर शिकार की जरूरत के हिसाब से हरकत करती है। आमतौर पर बाज तेज गति से उड़ने वाली पक्षियों का शिकार करते हैं और अपनी तीव्र दृष्टि से उन पक्षियों के सचेत होने से पहले ही उन्हें पकड़ लेते हैं।

350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार करता है

शोधकर्ताओं ने बताया कि हैरिस नामक बाज के पास अत्यधिक ऊंचाइयों पर शिकार करने के लिए बहुत तेज दृष्टि नहीं होती है, क्योंकि वह जमीन पर छोटे और धीमी गति वाले जानवरों का शिकार करते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, पेरग्रिन बाज के पास अलग-अलग दृश्यों में खुद की दृष्टि को समायोजित करने की क्षमता होती है, क्योंकि यह एक फॉर्मूला वन रेसिंग कार की गति यानी 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अपने शिकार पर हमला बोलती है।

पिंजरे में रखे गए पक्षियों की स्थिति समझने में मिलेगी मदद

यह अध्ययन छोटे कीटों को खाने वाली पक्षियों की देखने की क्षमता का पता लगाने के लिए किया गया है। शोधकर्ताओं ने का कहना है कि बाजों के शिकार की कला यह भी बताती है कि परभक्षी पक्षियों की दृष्टि बहुत तीव्र होती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इस अध्ययन से मिली नई जानकारी से कैद में रखे गए पक्षियों की स्थिति को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी।

अजीब है कस्तूरी बैल

बैल के बारे में आप लोग तो कुछ न कुछ जानते ही होंगे। लेकिन आप लोगों को आज एक ऐसे बैल के बारे में बताते हैं, जिसके बारे में शायद ही आप लोग जानते हों। यह बैल है कस्तूरी बैल। है न रोचक बात! आप लोग मस्क डीयर यानी कि कस्तूरी हिरण के बारे में जानते होंगे, लेकिन कस्तूरी बैल के बारे में नहीं। यह बैल भले ही अपने यहां नहीं पाया जाता, लेकिन यह कुछ एक देशों में पाया जाता है।

कस्तूरी बैल बिल्कुल याक जैसा दिखता है। यह वृक्षहीन टुन्ड्रा प्रदेश और आर्कटिक प्रदेशों का निवासी है। पूर्वी अलास्का से लेकर उत्तरी कनाडा तक और ग्रीनलैंड में पाया जाता है।इसकी दो प्रजातियां होती हैं। एक ग्रीनलैंड मस्क ऑक्स या व्हाइट फेस्ड मस्क ऑक्स। दूसरी प्रजाति केनेडियन हाई-आर्कटिक मस्क ऑक्स होती है।

दिखता है याक जैसा

यदि आप इसे दूर से देखो तो आप को भ्रम हो जाएगा। आपको लगेगा कि यह याक है, लेकिन ऐसा होता नहीं है। इसका शरीर काफी गठीला होता है। उस पर फर की दोहरी परत होती है। बाहरी परत लम्बे-लम्बे फर वाली होती है। कभी-कभी इसके बाल इतने लम्बे होते हैं कि जमीन को भी छूने लगते हैं। इनके मोटे फरों का रंग गहरा भूरा होता है। इनके फर ही बर्फीले आर्कटिक की शीत लहरों में ठंड से बचाव करते हैं। इनके बाल भेड़ के बालों की तरह ऊन बनाने के काम आते हैं। इनके फर गर्मी के मौसम में झड़ने लगते हैं।

विशालकाय शरीर

इसके कंधों पर कूबड़ होता है। इसके सींग लम्बे,चौड़े और मुड़े हुए होते हैं। इसके खुर बैलों से काफी बड़े होते हैं। इसके विशालकाय शरीर का वजन 200 किलोग्राम से 400 किलोग्राम तक हो सकता है, जबकि शरीर की लम्बाई छह फुट से साढ़े सात फुट के मध्य होती है और ऊंचाई पांच फुट तक होती है। इसके गठीले शरीर के कारण ही शिकारी जानवर जल्दी हमला नहीं कर पाते। ये अक्सर झुंड में ही रहते हैं, इसलिए शिकारी जानवरों पोलर बीयर, आर्कटिक फॉक्स और आर्कटिक भेड़ियों से अपनी रक्षा कर लेते हैं।

नहीं खाता मांस

आप लोग सोच रहे होंगे कि बर्फ में रहने की वजह से इसका भी भोजन मांस होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। यह बिल्कुल भी मांसाहारी नहीं है। घास, आर्कटिक फूल, मरकट और बहुत प्रकार की वनस्पति खाता है। वैसे इसे 'विलो प्लांट' खाना ज्यादा अच्छा लगता है। यह अपना भोजन चबाता नहीं है, बल्कि उसे निगल जाता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जीजीएम साइंस कॉलेज के छात्रों को अकादमिक उत्कृष्टता के लिए किया सम्मानित

जम्मू, 5 फ़रवरी (हि.स.)। माइक्रोबायोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया ने जीजीएम साइंस कॉलेज, जम्मू के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के पांच शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों की उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों को मान्यता दी है।

एक प्रतिष्ठित समारोह में ऋषभ बनोत्रा, सुधांशु शर्मा, तनिषा चौधरी, दीक्षा जंगराल और वंशिका गुप्ता को उनके समर्पण, शैक्षणिक उत्कृष्टता और वैज्ञानिक नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया गया।

जीजीएम साइंस कॉलेज के प्रिंसिपल ने इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा माइक्रोबायोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा यह मान्यता हमारे छात्रों की कड़ी मेहनत और हमारे संकाय द्वारा प्रदान की गई असाधारण सलाह का प्रमाण है। मैं उन्हें अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्टता के लिए प्रयास जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करता हूं। बायोटेक्नोलॉजी विभाग की प्रमुख प्रो. किरण बाला ने भी छात्रों की सराहना की और युवा वैज्ञानिक दिमागों को प्रोत्साहित करने के लिए माइक्रोबायोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया का आभार व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम में एमबीएसआई के छात्र समन्वयक अंकित शर्मा ने भी भाग लिया जिन्होंने माइक्रोबायोलॉजिकल शोध के प्रति छात्रों के समर्पण की सराहना की।

डॉ. नेहा महाजन, प्रो. गौरव गुप्ता, डॉ. रिचा शर्मा, डॉ. नैन्सी गुप्ता और कीर्ति शर्मा सहित प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और अकादमिक उत्कृष्टता और शोध-संचालित शिक्षा के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

युवाओं के लिए प्लंबिंग कोर्स आयोजित

राजौरी, 5 फरवरी (हि.स.)। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सद्भावना के तहत राजौरी जिले के थन्नामंडी में युवाओं के लिए प्लंबिंग कोर्स आयोजित किया है। इस कौशल विकास पहल का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को सशक्त बनाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

यह कोर्स 06 जनवरी 2025 से कल तक आयोजित किया गया जिसमें स्थानीय समुदायों के 25 युवाओं ने सक्रिय भागीदारी की। भारतीय सेना हमेशा कौशल विकास के अवसर प्रदान करके स्थानीय युवाओं का मार्गदर्शन करने और उन्हें सशक्त बनाने में सहायता का एक स्तंभ रही है। भविष्य में प्लंबिंग के आशाजनक करियर के दायरे को ध्यान में रखते हुए थन्नामंडी और आस-पास के क्षेत्रों के युवाओं के लिए प्लंबिंग कोर्स का आयोजन किया गया।

यह कोर्स कार्यशाला या प्रयोगशाला सेटिंग में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करता है जिससे छात्रों को सुरक्षित और पर्यवेक्षित वातावरण में अपने कौशल का अभ्यास करने और लागू करने का मौका मिलता है। इसके अतिरिक्त, युवाओं के लिए प्लंबिंग पाठ्यक्रम सुरक्षा प्रोटोकॉल, उद्योग मानकों, सर्वोत्तम प्रथाओं और यह सुनिश्चित करने पर भी जोर देते हैं कि छात्र प्लंबिंग व्यापार में करियर के लिए अच्छी तरह से तैयार हों।

प्रत्येक प्रतिभागी की प्रगति इन युवाओं के समर्पण और दृढ़ता का प्रमाण है। मान्यता के प्रतीक के रूप में सभी प्रतिभागियों और प्रशिक्षकों को भागीदारी के लिए प्रमाण पत्र और उपहार प्रदान किए गए। यह पहल न केवल थन्नामंडी के युवाओं को सशक्त बनाती है बल्कि भारतीय सेना और स्थानीय समुदाय के बीच के बंधन को भी मजबूत करती है। यह राष्ट्र और उसके लोगों की सेवा के लिए भारतीय सेना की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। क्षेत्र में सद्भावना, विकास और सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा देने के अपने मिशन के साथ ऑपरेशन सद्भावना थन्नामंडी और आस-पास के इलाकों के लोगों के लिए आशा की किरण बनी हुई है।

पुंछ, राजौरी और रियासी के विभिन्न स्थानों पर लोगों को कैंसर के प्रति जागरूक किया

जम्मू, 5 फ़रवरी (हि.स.) विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर पुंछ, राजौरी और रियासी जिलों में सूचनात्मक व्याख्यान आयोजित किए गए। भारतीय सेना द्वारा सत्रों का उद्देश्य समुदायों को कैंसर की रोकथाम, प्रारंभिक पहचान और समय पर उपचार के महत्व के बारे में शिक्षित करना था जो इस वर्ष के वैश्विक विषय- एक साथ, हम सत्ता में बैठे लोगों को चुनौती देते हैं के अनुरूप था।

इस कार्यक्रम में 189 नागरिकों, 165 छात्रों और 25 शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। विशेषज्ञों ने सक्रिय स्वास्थ्य उपायों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, नियमित जांच, प्रारंभिक निदान और बीमारी से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए चिकित्सा हस्तक्षेप पर जोर दिया। चर्चाओं में नेताओं से कैंसर देखभाल को प्राथमिकता देने और उसमें निवेश करने के लिए वैश्विक आह्वान पर भी जोर दिया गया ताकि सभी के लिए सुलभ स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित हो सके।भारतीय सेना की पहल सामुदायिक कल्याण के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है खासकर दूरदराज और वंचित क्षेत्रों में। जागरूकता को बढ़ावा देने और निवारक स्वास्थ्य सेवा को प्रोत्साहित करके सेना अपनी सुरक्षा भूमिका से परे एक स्थायी प्रभाव डालना जारी रखेगी।

विश्व कैंसर दिवस पर जागरूकता सत्र आयोजित किया

जम्मू, 5 फ़रवरी (हि.स.)। स्वास्थ्य चेतना को बढ़ावा देने की एक सराहनीय पहल में काउंटर इंसर्जेंसी फोर्स के तहत भारतीय सेना ने विश्व कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी गर्ल्स स्कूल, मेंढर में एक ज्ञानवर्धक कैंसर जागरूकता सत्र आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को कैंसर की रोकथाम, प्रारंभिक पहचान और स्वस्थ जीवन शैली के महत्व के बारे में शिक्षित करना था। सत्र का नेतृत्व राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन के रेजिमेंटल मेडिकल ऑफिसर ने किया जिन्होंने कैंसर के विभिन्न रूपों, जोखिम कारकों, प्रारंभिक चेतावनी संकेतों और समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप की आवश्यकता के बारे में गहन जानकारी प्रदान की। नियमित स्वास्थ्य जांच और स्व-परीक्षण के महत्व पर जोर देते हुए चर्चा में निवारक उपायों पर प्रकाश डाला गया जो कैंसर के जोखिम को काफी कम कर सकते हैं।

साइबर सेल कठुआ ने ऑनलाइन धोखाधड़ी की गई 2,24,000 रूपेय राशि बरामद की

कठुआ 05 फरवरी (हि.स.)। एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना की समग्र देखरेख में जिला साइबर सेल कठुआ ने 2,24,000 रूपेय की ऑनलाइन धोखाधड़ी की गई राशि को बरामद कर साइबर अपराध से निपटने के लिए एक बार फिर अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है।

जनकारी के अनुसार 29 नंवबर 2024 को एनसीसीआर पोर्टल के माध्यम से साइबर सेल कठुआ में एक ऑनलाइन शिकायत प्राप्त हुई थी जिसमें शिकायतकर्ता नरेंद्र सिंह निवासी वार्ड नंबर 19 शिव नगर कठुआ ने 2,24,000 रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी की सूचना दी थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शिकायतकर्ता के साथ बातचीत करने वाले अज्ञात धोखेबाज ने खुद को स्टॉक मार्केट ब्रोकर के रूप में प्रस्तुत किया और उसे क्रिप्टो करेंसी में निवेश करने के लिए राशि ट्रांसफर करने के लिए प्रेरित किया।

शिकायतकर्ता ने क्रिप्टो करेंसी से अच्छा रिटर्न पाने की उम्मीद में जालसाज को 2,24,000 रुपये की राशि ट्रांसफर कर दी। जब शिकायतकर्ता को पता चला कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है तो उसने एनसीसीआर पोर्टल के माध्यम से साइबर सेल कठुआ में अपनी शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान, साइबर सेल कठुआ टीम ने तेजी से कार्रवाई की और अथक प्रयास किए और जालसाज के उन खातों को तुरंत फ्रीज कर दिया और धोखाधड़ी की गई ठगी की रकम 2,24,000 रूपये बरामद कर पीड़ित के खाते में वापस जमा करा दी गई।

जन कल्याण के लिए उमर सरकार की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई

पुंछ 5 फरवरी (हि.स.)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और पुंछ हवेली के मौजूदा विधायक एजाज अहमद जान ने लोगों के कल्याण के लिए उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस बात पर जोर दिया कि पार्टी जनता की शिकायतों को दूर करने और जमीनी स्तर पर शासन को मजबूत करने के लिए समर्पित है।

उन्होंने पुंछ के डाक बंगले में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही जहां बड़ी संख्या में लोग अपनी चिंताओं को व्यक्त करने के लिए एकत्र हुए थे।

बैठक ने जनता के लिए विभिन्न विकासात्मक मुद्दों और संगठनात्मक मामलों को उजागर करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य कियाए जिसमें जन ने आश्वासन दिया कि सभी वास्तविक मांगों को शीघ्र समाधान के लिए उचित स्तर पर उठाया जाएगा।

शिवसेना की डिस्पोजेबल पेपर कप पर प्रतिबंध की मांग

जम्मू, 5 फरवरी (हि.स.)। शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर ईकाई ने कैंसर जैसी घातक बिमारियों की अशंका के मद्देनजर डिस्पोजेबल पेपर कप पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। पार्टी प्रदेश मध्यवर्ती कार्यालय में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने कहा कि डिस्पोजेबल पेपर कप में चाय व अन्य गर्म पेय पदार्थ के सेवन का प्रचलन बढ़ता जा रहा है। आज रेलवे स्टेशनों, एयरपोर्ट से लेकर अस्पतालों ने अन्य स्थलों पर चाय, काफी आदि गर्म पेय पदार्थों को कागज के बने डिस्पोजेबल कपों में परोसी जाती है।

साहनी ने कहा कि हाल ही में हुए एक अध्ययन के अनुसार इन कपों को बनाने के लिए आमतौर पर हाइड्रोफोबिक फिल्म की एक परत चढ़ाई जाती है जो मुख्तय: प्लास्टिक की बनी होती है। यह प्लास्टिक इन पेय पदार्थों से हमारे शरीर में पहुंच कैंसर जैसी घातक बीमारियों का कारण बनता है। साहनी ने कहा कि हाल ही में एम्स जम्मू में कैंसर के मरीजों के लिए विशेष उपचार शुरू किया गया। मगर यहां भी जो कि कैंटीन व अन्य आउटलेट्स में चाय व अन्य गर्म पेय पदार्थों को कागज के बने डिस्पोजेबल कपों में बेचा में बेचना व सर्व करना प्रतिबंध नहीं है। साहनी ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन व संबंधित विभागों से यूज़ एंड थ्रो कागज के कपों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश जारी करने की मांग की है।

अखिल भारतीय धर्म प्रचार सेवा समिति ने चलाया युवा जागरूकता अभियान

जम्मू, 5 फ़रवरी (हि.स.)। देश में युवाओं पर पड़ रहे पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव को देखते हुए अखिल भारतीय धर्म प्रचार सेवा समिति पिछले कई वर्षों से संस्कार और आध्यात्मिकता के प्रचार-प्रसार में अहम भूमिका निभा रही है। इसी उद्देश्य से लगभग 16 महीने पहले समिति ने सामूहिक श्रीराम स्तुति एवं हनुमान चालीसा पाठ अभियान की शुरुआत की, जिससे युवाओं को भारतीय संस्कृति से जोड़ा जा सके और उन्हें धर्म और संस्कारों का महत्व समझाया जा सके।

इसी कड़ी में समिति द्वारा छन्नी हिम्मत के गौरीशंकर मंदिर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और वैदिक मंत्रोच्चार से हुई जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। राष्ट्रीय संयोजक सुनील शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अयोध्या से आए विद्वान मनोज कृष्ण शर्मा उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, महिलाओं और युवाओं ने इस आयोजन में भाग लिया। नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा भजन प्रस्तुति ने माहौल को मंत्रमुग्ध कर दिया जिसके बाद श्रीराम स्तुति और हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया।

समिति के राष्ट्रीय संयोजक सुनील शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि समिति द्वारा समाज उत्थान के लिए श्रीमद् भागवत गीता वितरण, गंगाजल वितरण अभियान, श्रीमद् भागवत कथा और संत सम्मेलनों का आयोजन किया जाता रहा है। पिछले वर्ष दुर्गाष्टमी से समिति का यह प्रयास जारी है कि देशभर के मंदिरों में श्रीराम स्तुति एवं हनुमान चालीसा का पाठ हो, जिससे आने वाली पीढ़ी में भारतीय संस्कृति और संस्कारों की नींव मजबूत हो सके। जम्मू जिले के हर मंदिर तक इस अभियान को पहुंचाने के संकल्प के साथ समिति का यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

रविंदर रैना शहीद सैनिक मंजूर अहमद वागे के परिवार के सदस्यों से मिले

जम्मू 05 फरवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष सत शर्मा, महासचिव और विपक्ष के नेता सुनील शर्मा और जम्मू-कश्मीर भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और एनईएम भाजपा के रविंदर रैना के साथ कश्मीर में शहीद सैनिक मंजूर अहमद वागे के परिवार के सदस्यों से मिले।

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने सेना के अस्पताल में घायल परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना तथा कुलगाम के बेही बाग में शहीद पूर्व सैनिक के माता-पिता और बेटियों से मिलने उनके घर गए।

सत शर्मा ने इस कृत्य की निंदा करते हुए कहा कि पूर्व सैनिक मंजूर अहमद वागे और उनके परिवार के सदस्यों पर हमला स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने पूरे सम्मान के साथ समाज और राष्ट्र की सेवा की है और अब अपने परिवार की देखभाल कर रहा है वह समाज के लिए एक संपत्ति है। उन्होंने कहा कि इस जघन्य अपराध के अपराधी मानवता और राष्ट्र के दुश्मन हैं और उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

हमारे सुरक्षा बल सक्षम हैं और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बलों में से एक हैं जो हमेशा देश की सीमाओं पर और सीमाओं के भीतर रक्षा के लिए तैयार रहते हैं। सत शर्मा ने कहा कि हमारे सुरक्षा बल सीमा पार से हमारे कमांड पर काम कर रहे आतंकवादियों को नहीं बख्शेंगे। इस जघन्य अपराध के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को हमारे सुरक्षा बल जल्द ही मार गिराएंगे। सत शर्मा ने शहीद के परिजनों को भरोसा दिलाया कि दुख की इस घड़ी में भाजपा समेत पूरा देश उनके साथ खड़ा है।

उपायुक्त ने कार्य पूरा करने की समय सीमा तय की

किश्तवाड़ 05 फरवरी (हि.स.)। उपायुक्त किश्तवाड़ राजेश कुमार शवन ने एक बैठक की अध्यक्षता की और मनरेगा और पीएमएवाई योजनाओं के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करते हुए ग्रामीण विकास विभाग की व्यापक समीक्षा की। शुरुआत में एसीडी ने मनरेगा और पीएमएवाई के तहत कार्यों की स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उपायुक्त ने विभाग को कार्डधारकों को ई-श्रम पोर्टल से मैप करने और निष्क्रिय जॉब कार्डों को हटाने का निर्देश दिया।

राज्य का दर्जा हमारा जन्मसिद्ध अधिकार, इसे वापस लेंगे

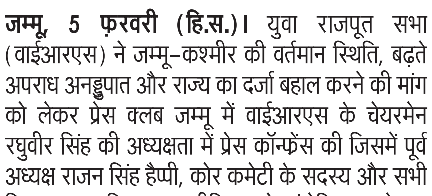

जम्मू, 5 फ़रवरी (हि.स.)। युवा राजपूत सभा (वाईआरएस) ने जम्मू-कश्मीर की वर्तमान स्थिति, बढ़ते अपराध अनड्डुपात और राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर प्रेस क्लब जम्मू में वाईआरएस के चेयरमेन रघुवीर सिंह की अध्यक्षता में प्रेस कॉन्फ्रेंस की जिसमें पूर्व अध्यक्ष राजन सिंह हैप्पी, कोर कमेटी के सदस्य और सभी हितधारक शामिल हुए। मीडिया को संबोधित करते हुए अध्यक्ष रघुवीर सिंह ने कहा कि यह कहना बहुत दुखद है कि वर्तमान में जम्मू-कश्मीर की स्थिति और परिदृश्य बहुत ही खराब है क्योंकि जम्मू प्रांत में कानून व्यवस्था और अपराध, माफिया और ड्रग्स में वृद्धि हो रही है।

रघुवीर सिंह ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर यूटी में तब्दील होने के बाद से अपराध का केंद्र बनता जा रहा है। अपराध अनुपात के साथ-साथ ड्रग्स और अन्य राष्ट्र विरोधी गतिविधियां दिन-प्रतिदिन बढ़ रही हैं और जम्मू-कश्मीर का प्रशासन जम्मू प्रांत में कानून और व्यवस्था बनाए रखने में विफल हो रहा है क्योंकि जम्मू में हत्या के मामले, डकैती के मामले, ड्रग्स के मामले और माफिया के मामले बढ़ रहे हैं। रघुवीर ने यह भी बताया कि इन सभी राष्ट्र विरोधी और कानून विरोधी गतिविधियों को नियंत्रित करने का एकमात्र तरीका राज्य के दर्जे की बहाली के लिए अपनी आवाज उठाना और हमें हमारे जन्मसिद्ध अधिकार देना है क्योंकि राज्य का दर्जा हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है और दोहराया कि हम इसे जल्द से जल्द वापस लेंगे जैसा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया निर्देश और केंद्रीय प्रशासन के वादे के अनुसार है। इस बीच महाकुंभ में गए वाईआरएस अध्यक्ष विक्रम सिंह विक्की की अनुपस्थिति मे पूर्व अध्यक्ष राजन सिंह हैप्पी ने संबोधित किया। अपना गुस्सा दिखते हुए उन्होंने कहा कि जब हमारा जम्मू जल रहा है और जब हमारे लोग और राजनेता हमारे जम्मू के उज्ज्वल भविष्य के बारे में गंभीरता से सोचते हैं तो सभी राजनीतिक दल, सामाजिक और राजनीतिक संगठन चुप क्यों हैं क्योंकि डोगरा समुदाय 1947 से बहुत पीड़ित है और अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद भी केंद्रीय प्रशासन के साथ-साथ जेके यूटी प्रशासन का जम्मू के लिए भी यही व्यवहार है। उन्होंने आगे कहा कि संगठन 10 फरवरी को इस मुद्दे को लेकर प्रदर्शन करेंगे। और इसके लिए लोगों से समर्थन माँगा है।

डॉ. नरिंदर सिंह, विक्रम रंधावा ने भाजपा मुख्यालय में जनता दरबार लगाया

जम्मू 05 फरवरी (हि.स.)। डॉ. नरिंदर सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय सचिव एवं विधायक आरएस पुरा-जम्मू दक्षिण तथा विक्रम रंधावा, विधायक बहू ने भाजपा मुख्यालय त्रिकुटा नगर जम्मू में जनता दरबार लगाया। शहर भर से आए प्रतिनिधिमंडलों ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से अपनी शिकायतें साझा कीं तथा उनके शीघ्र समाधान का अनुरोध किया।

अन्य मुद्दों के अलावा नवाबाद सुंजवां से आए प्रतिनिधिमंडल ने गली, नालियों तथा बिजली के खंभों के बारे में चिंता जताई। सैनिक कॉलोनी से आए प्रतिनिधिमंडल ने स्ट्रीट लाइटों के खराब होने का मुद्दा उठाया। सैनिक कॉलोनी से आए प्रतिनिधिमंडल ने गलियों तथा नालियों के निर्माण का अनुरोध किया। लास्ट मोड़ गांधी नगर से आए प्रतिनिधिमंडल ने नागरिक बुनियादी ढांचे में सुधार का अनुरोध किया। गंग्याल से आए प्रतिनिधिमंडल ने नालियों की सफाई का अनुरोध किया। अशोक नगर तथा नई बस्ती से आए दो प्रतिनिधिमंडलों ने पेयजल आपूर्ति पाइपों में लीकेज की मरम्मत का अनुरोध किया।

डॉ. नरिंदर सिंह ने लोगों की शिकायतों को सुनते हुए जम्मू-कश्मीर में एनसी सरकार के जन.-केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता जनोन्मुखी होनी चाहिए तथा लोगों के जीवन को आसान बनाने के लिए नीतियां बनानी और क्रियान्वित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग क्षेत्र में लोकप्रिय सरकार का इंतजार कर रहे हैं ताकि उनके मुद्दों का समयबद्ध तरीके से समाधान हो सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा लोगों की समस्याओं का समयबद्ध तरीके से समाधान करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने एनसी सरकार से कहा कि वह केवल राजनीतिक बयानबाजी करने के बजाय लोगों की समस्याओं पर ध्यान दे। विक्रम रंधावा ने कहा कि भाजपा लोगों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा उनकी समस्याओं का समयबद्ध तरीके से समाधान करने का हर संभव प्रयास कर रही है।

'जम्मू में चोरी की बढ़ती घटनाओं से स्थानीय लोगों में दहशत'

जम्मू 05 फरवरी (हि.स.)। शिवसेना हिंदुस्तान ने जम्मू में चोरी की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई है जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। जम्मू में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शिवसेना हिंदुस्तान जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष पंडित राजेश केसरी ने अधिकारियों से इस मुद्दे को सुलझाने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया। जम्मू में चोरी की घटनाओं में खतरनाक वृद्धि को देखते हुए पार्टी की चिंताएं जायज हैं। स्थिति इतनी भयावह हो गई है कि लोग अब चोरों के निशाने पर आने के डर में जी रहे हैं। केसरी ने कहा कि पार्टी मांग कर रही है कि अधिकारी इन अपराधों को रोकने और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए ठोस कदम उठाएं केसरी ने कहा कि जम्मू में चोरी की घटनाओं पर शिवसेना हिंदुस्तान की चिंताएं जम्मू-कश्मीर के लोगों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को सुलझाने के उसके व्यापक प्रयासों का हिस्सा हैं।

डोगरा सदर सभा ने वरिष्ठ सदस्यों की माताओं के निधन पर शोक व्यक्त किया

जम्मू, 5 फ़रवरी (हि.स.)। डोगरा सदर सभा (डीएसएस) ने अपने अध्यक्ष गुलचैन सिंह चाढ़क की अध्यक्षता में सभा भवन में अपने कार्यकारी सदस्यों की एक आपातकालीन बैठक बुलाई जिसमें दो सम्मानित मातृसत्तात्मक महिलाओं के निधन पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की गई। सदस्यों ने डीएसएस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कर्नल करण सिंह, पत्नी स्वर्गीय मलूक सिंह की माता के निधन पर शोक व्यक्त किया, जिनका 101 वर्ष की आयु में मनोहा (कठार) गांव में उनके पैतृक घर पर निधन हो गया था। उनके परिवार में तीन बेटे, तीन बेटियाँ और उन्नीस पोते-पोतियाँ हैं।

डीएसएस के महासचिव एडवोकेट एच.सी. जलमारिया की माता को भी श्रद्धांजलि दी गई जिनका 30 जनवरी, 2025 को बिलावर के माता सुकराला मंदिर के पास कटल गांव में उनके पैतृक घर पर निधन हो गया था। दोनों दिवंगत आत्माओं की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया तथा उनकी आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई। बैठक में उपस्थित प्रमुख सदस्यों में जी.ए. ख्वाजा, गंभीर देव सिंह, अरविंदर सिंह अमन, कर्नल डॉ. वीरेंद्र के. साही वीआरसी और अन्य शामिल थे।

सीयूजे में गांधीवादी फेलोशिप पर ओरिएंटेशन का आयोजन

जम्मू, 5 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग ने कुलपति प्रो. संजीव जैन के नेतृत्व में पिरामल समूह की सीएसआर पहल पिरामल फाउंडेशन के सहयोग से गांधीवादी फेलोशिप पर एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस प्रेरक सत्र का उद्देश्य महात्मा गांधी के सिद्धांतों से प्रेरणा लेते हुए उभरते सामाजिक कार्य छात्रों में जमीनी स्तर पर नेतृत्व, राष्ट्र निर्माण और सामाजिक नवाचार के मूल्यों को स्थापित करना था।

इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित गांधीवादी फेलो- संतोष, शाहिद, राज किशोर और फैजान शामिल हुए, जिन्होंने ग्रामीण भारत में काम करने और प्रभावशाली सामुदायिक पहलों का नेतृत्व करने के अपने परिवर्तनकारी अनुभव साझा किए। उनके वास्तविक जीवन की कहानियों ने छात्रों को गहराई से प्रभावित किया जिससे सामाजिक परिवर्तन और सामुदायिक जुड़ाव के लिए एक मजबूत जुनून पैदा हुआ, खासकर शैक्षिक विकास के क्षेत्र में।

विभागाध्यक्ष डॉ. नैन्सी मेंगी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और गांधीवादी फेलो द्वारा साझा की गई अमूल्य अंतर्दृष्टि की सराहना की। उन्होंने समाज सेवा और नेतृत्व पर छात्रों के दृष्टिकोण को आकार देने में उनकी भूमिका पर जोर दिया।

कठुआ प्रशासन ने विधायकों के साथ पूर्व-बजट परामर्श की

कठुआ 05 फरवरी (हि.स.)। उपायुक्त डॉ. राकेश मिन्हास की अध्यक्षता में जिला प्रशासन कठुआ ने जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले विधानसभा सदस्यों के साथ एक पूर्व-बजट परामर्श बैठक बुलाई। बैठक डीसी कार्यालय परिसर के वीसी कक्ष में आयोजित की गई जिसमें विधायकों ने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया।

बैठक में कठुआ के विधायक डॉ. भारत भूषण, जसरोटा के विधायक राजीव जसरोटिया, हीरानगर के विधायक विजय शर्मा और बिलावर के विधायक सतीश शर्मा मौजूद थे, जबकि बनी के विधायक रामेश्वर सिंह वर्चुअली शामिल हुए। मंत्रणा के दौरान विधायकों ने अपनी विकासात्मक प्राथमिकताएं प्रस्तुत कीं। कठुआ के विधायक ने पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए एक इनडोर स्टेडियम और हैंडपंपों की स्थापना की आवश्यकता पर जोर दिया, जबकि विधायक जसरोटा ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में एक डिग्री कॉलेज की स्थापना की वकालत की। विधायक बिलावर ने यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाओं के साथ-साथ सरकारी डिग्री कॉलेज के लिए एक स्थायी भवन के निर्माण की आवश्यकता पर प्रकाश डालने के अलावा, धार रोड को चार लेन करने पर जोर दिया। विधायक बनी ने भीनी नाले पर पुल, बेहतर सड़क और मोबाइल कनेक्टिविटी, पुराने बिजली के खंभों को बदलने और चिकित्सा कर्मचारियों को मजबूत करने की मांग उठाई। हीरानगर के विधायक विजय कुमार ने पीएचसी हीरानगर और हीरानगर उपमंडल के लिए मिनी सचिवालय परिसर के पुनर्निर्माण आदि की मांग की। डीडीसी अध्यक्ष महान सिंह ने भी अछूते क्षेत्रों में सड़क संपर्क बढ़ाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इससे पहले उपायुक्त डॉ. राकेश मिन्हास ने प्रतिष्ठित कठुआ नहर को आधुनिक तट में बदलने की योजना की घोषणा करते हुए, समग्र विकास के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। प्रस्तावित कठुआ वाटरफ्रंट परियोजना का उद्देश्य स्थानीय पर्यटन और मनोरंजन को बढ़ावा देते हुए नहर की पारिस्थितिक और सौंदर्य अपील को बढ़ाना है। इसके अलावा, प्रशासन का इरादा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में दो आंगनवाड़ी केंद्रों को मॉडल शैक्षिक सुविधाओं के रूप में विकसित करने का है, जिससे गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बचपन की शिक्षा और देखभाल सुनिश्चित की जा सके।

संपादकीय

नशे के विरुद्ध जंग जरूरी

जब यह देखा गया कि पुलिस विभाग में कुछ लोग नशे की तस्करी में लिप्त हैं, तो यह जरूरी हो गया है कि कानून प्रवर्तन एजेंसी बिना किसी अपवाद के जांच करे, क्योंकि जम्मू-कश्मीर में मौजूदा हालात बहुत खराब हैं और कई लोग अवैध नशे के कारोबार में गले तक डूबे हुए हैं।

इस संदर्भ में एक और चौंकाने वाला उदाहरण सामने आया है, जब पुलिस ने एक विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) को नशे की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया और उसके पास से 5.95 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिन लोगों को नशे की समस्या को रोकने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वे खुद इस अपराध में लिप्त हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ रही है। आरोपी एसपीओ वर्तमान में जिला पुलिस लाइन उधमपुर में तैनात है।

यह चौंकाने वाली बात है कि ऐसे लोग हैं, जिन्हें अपने अधिकार क्षेत्र में नशे की आपूर्ति और तस्करी को रोकना चाहिए, वे इस अपराध को बढ़ावा दे रहे हैं, जो समाज के लिए घातक साबित हो सकता है। निस्संदेह, ऐसे सिद्धांतहीन व्यक्ति ड्रग माफिया और ड्रग कार्टेल के लिए 'संपत्ति' हैं क्योंकि ये तथाकथित पुलिसकर्मी सिस्टम की खामियों और ड्रग खतरे को रोकने के लिए असली पुलिस की रणनीति के बारे में जानते हैं। खाकी की आड़ में ये लोग अवैध ड्रग सप्लायरों को उनके अवैध कारोबार को फलने-फूलने में मदद करते हैं, बिना इस बात की परवाह किए कि इससे समाज पर क्या असर पड़ेगा, खासकर युवा, जो ड्रग्स के प्रति अधिक संवेदनशील हैं।

ऐसे सभी बदमाश तत्वों की पहचान करने की सख्त जरूरत है जो किसी तरह पुलिस विभाग में घुस आए हैं, लेकिन खतरनाक ड्रग डीलिंग पर फलने-फूलने वालों के लिए काम कर रहे हैं क्योंकि अगर जल्द ही कार्रवाई नहीं की गई तो क्षेत्र को होने वाला नुकसान अपूरणीय हो सकता है क्योंकि ड्रग खतरे में लोगों के सामाजिक, शारीरिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक रूप से जीवन को बर्बाद करने की क्षमता है।

यह मुद्दा बहुत महत्वपूर्ण है और इसलिए सत्ता में बैठे लोगों को इस समस्या का निष्पक्षता से मुकाबला करने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए और समाज की इस विकृति को समाप्त करना चाहिए, अन्यथा अगली पीढ़ी के लोगों को राष्ट्र निर्माता के रूप में परिवर्तित करना कठिन हो जाएगा, क्योंकि मादक द्रव्यों का सेवन युवाओं को तबाह कर सकता है और दशकों तक प्रगति की प्रक्रिया को रोक सकता है, जो कि नहीं होना चाहिए।

किताबों को साथी बनाकर तो देखिए

डॉ. सत्यवान सौरभ

युवा पीढ़ी में इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल की वजह से किताबों में दिलचस्पी कम होती जा रही है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की वजह से देश के युवाओं की पढ़ने की आदत में तेजी से बदलाव आ रहा है। स्मार्टफोन और लगभग मुफ्त इंटरनेट सेवाओं के प्रसार ने आदत बदलने की इस प्रक्रिया को और तेज कर दिया है। इंस्टेंट मैगी युवा पीढ़ी का हिस्सा है। नतीजतन वे अपने जीवन को मैनेज करने के लिए गूगल का इस्तेमाल करते हैं। ठीक इसके उलट मेहनत, धैर्य और लगन से काम करके पुरानी पीढ़ी किताबें पढ़ती थी। किताबें समस्या-समाधान के लिए बहुत जरूरी थीं, खासकर आत्मकथाएं। पहले माता-पिता भी किताबें पढ़ने का सुझाव देते थे। अगर आप अभी किताबें और अखबार नहीं पढ़ते हैं तो आज से ही पढ़ने की आदत डालें। आप शायद किताबें पढ़ने के इतने फायदों से वाकिफ नहीं हैं। आजकल, युवा सुबह उठते ही समाचार पत्र पढ़ने के बजाय स्मार्टफोन पर सोशल मीडिया साइट्स ब्राउज करते हैं। कोई भी टीवी शो कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो, अब परिवार उसे देखने के लिए एक साथ इकट्ठा नहीं होता है। सब अपने फोन पर सोशल मीडिया ऐप के साथ खुद को व्यस्त रखना जारी रखते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, डिजिटल उद्योग में और भी क्रांति आएगी। नतीजतन, जीवन और पढ़ने-लिखने की आदतों में बदलाव आए हैं, और

आगे भी आएंगे।

किताबों को मनुष्य का सबसे अच्छा दोस्त माना जाता है। किताबें पढ़ने की आदत को मनोरंजन से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। इसके बजाय, इस आदत को दैनिक कार्यक्रम में शामिल करना चाहिए। आज जब लोगों से पूछा जाता है कि उन्होंने आखिरी बार कब किताब पढ़ी थी, तो अधिकांश लोग हैरान रह जाते हैं। स्कूल और कॉलेज में नामांकित छात्र तक नहीं बता पाते। यह समझने की जरूरत है कि दुनिया के हर सफल और प्रशंसनीय व्यक्ति को किताबें पढ़ने की आदत होती है। किताबें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त मानी जाती हैं। नियमित रूप से पढ़ना न केवल आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा है, बल्कि यह आपके ज्ञान को भी बढ़ाता है। यह जीवन और विचारों के प्रति व्यक्ति के दृष्टिकोण को भी बदलता है। इंटरनेट चाहे कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो जाए, किताबें पढ़ना हमेशा सबसे अच्छा विकल्प रहेगा। किताबें पढ़ने के फायदों की बात करें तो वे बहुत हैं। जब आप कोई किताब पढ़ते हैं, तो आपका ध्यान एक क्षेत्र पर केंद्रित होता है। हर दिन पढ़ने की आदत से फोकस बेहतर होता है। किसी प्रोजेक्ट पर काम करने का मन भी करता है। अखबारों में राजनीति, विज्ञान, तकनीक, कला और संस्कृति सहित कई विषयों पर लेख प्रकाशित होते हैं, साथ ही जाने-माने लेखकों और विषय विशेषज्ञों के लेख भी होते हैं। नियमित रूप से पढ़ने वाले बच्चों को नया ज्ञान प्राप्त करने का मौका मिलता है।

ज्ञान की कमी के कारण आपको कई स्थितियों में चुप रहना पड़ता है। आप स्पष्ट रूप से बोलने में असमर्थ होते हैं या ऐसा करने में बहुत शर्म महसूस करते हैं। पढ़ने से ज्ञान और जानकारी बढ़ती है। उसके आधार पर आप किसी भी विषय पर कहीं भी, किसी से भी चर्चा कर सकते हैं। किताबें पढ़ने से बोलने और संवाद करने का आत्मविश्वास बढ़ता है। कहा जाता है कि अच्छा लिखना, अच्छे बोलने से ही संभव होता है। किताबें पढ़ने से आप उन विचारों और रणनीतियों के बीच सम्बंध बनाना शुरू कर देते हैं, जिन पर वे चर्चा करते हैं अपने जीवन में। आप उन्हें उसी समय अपने जीवन में लागू करना शुरू कर देते हैं। आप किसी डरावने या दुविधापूर्ण उपन्यास को पढ़ते ही उसके पात्रों और घटनाओं की कल्पना करना शुरू कर देते हैं। फिर आप उपन्यास को पूरा पढ़े बिना ही उसके अंत को समझने की कोशिश करने लगते हैं। वर्तमान पीढ़ी को समाचार पत्र पढ़ना सिखाना चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि वे या तो अपने उपकरणों से मोहित हो जाते हैं या फिर फिक्शन पढ़ना पसंद करते हैं। समाचार पत्रों में

ज्ञान की कमी के कारण आपको कई स्थितियों में चुप रहना पड़ता है। आप स्पष्ट रूप से बोलने में असमर्थ होते हैं या ऐसा करने में बहुत शर्म महसूस करते हैं। पढ़ने से ज्ञान और जानकारी बढ़ती है। उसके आधार पर आप किसी भी विषय पर कहीं भी, किसी से भी चर्चा कर सकते हैं। किताबें पढ़ने से बोलने और संवाद करने का आत्मविश्वास बढ़ता है। कहा जाता है कि अच्छा लिखना, अच्छे बोलने से ही संभव होता है। किताबें पढ़ने से आप उन विचारों और रणनीतियों के बीच सम्बंध बनाना शुरू कर देते हैं, जिन पर वे चर्चा करते हैं अपने जीवन में। आप उन्हें उसी समय अपने जीवन में लागू करना शुरू कर देते हैं।

तथ्यात्मक प्रस्तुति उनमें से अधिकांश के लिए थकाऊ और थका देने वाली होती है। हालांकि, आप कुछ नए विचारों को लागू करके समाचार पत्र पढ़ना अपने बच्चे के पसंदीदा शगल में से एक बना सकते हैं और एक बार जब आदत विकसित हो जाती है तो वह जीवन भर बनी रहती है।

उपन्यास या कहानी पढ़ने के बाद आप उसके किरदार लंबे समय तक याद रहते हैं। रोजाना पढ़ने से याददाश्त बेहतर होती है। इसी तरह दिमाग का विकास होता है। आपने शायद यह कहावत पढ़ी या सुनी होगी कि अगर आपको नींद नहीं आ रही है, तो सोने के लिए किताब पढ़ना शुरू कर दें। रात को सोने से पहले किताब पढ़ने से आपका दिमाग थका हुआ महसूस करता है और आपके दिमाग की नसों को आराम मिलता है, जिससे अच्छी नींद आती है। इसलिए, आराम से सोने के लिए हर दिन सोने से पहले पढ़ने की आदत डालें। अगर नई पीढ़ी में न पढ़ने का संकट बरकरार रहा तो आने वाला समय और खतरनाक होगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

(कवि प्रदीप की जयंती/06 फरवरी 1915) दूर हटो ऐ दुनिया वालों हिन्दुस्तान हमारा है...

रमेश शर्मा

भारतीय स्वाधीनता संग्राम में करोड़ों प्राणों के बलिदान हुए । ये बलिदान साधारण नहीं थे । पर इन बलिदानों के लिये आह्वान करने वाले शब्द साधकों की भी एक धारा रही है जिन्होंने अपने शब्दों की शैली और गीतों के माध्यम से राष्ट्र जागरण का अभियान छेड़ा। यह अभियान स्वतंत्रता के पहले भी चला और स्वतंत्रता के बाद भी । अपनी रचनाओं से राष्ट्र जागरण करने वाले ऐसे ही कालजयी रचनाकार हैं कवि प्रदीप। उन्होंने जीवन भर अपने ओजस्वी गीतों से पूरे राष्ट्र चेतना की अलख जगाई। स्वतंत्रता के पूर्व यदि उनके गीतों में संघर्ष के लिए आह्वान था तो स्वाधीनता के बाद राष्ट्र निर्माण की उत्प्रेरणा ।

स्वाधीनता के पूर्व- दूर हटो ऐ दुनिया वालो ये हिन्दुस्तान हमारा है... और स्वतंत्रता के बाद-ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आंख में भर लो पानी... जैसे अमर गीत के रचयिता कवि प्रदीप ही हैं । वे दुनियां के उन विरले गीतकारों में से हैं जिनका हर गीत लोकप्रिय हुआ । उन्होंने दो हजार से अधिक गीत लिखे। इनमें लगभग 1700 गीत फिल्मों में आए । और राष्ट्र भक्ति के ही 100 से अधिक गीत हर देशवासी की जुबान पर चढ़ गए ।

ऐसे अमर गीतों के गीतकार कवि प्रदीप का जन्म 06 फरवरी 1915 को मध्यप्रदेश में उज्जैन जिले के बड़नगर में हुआ। उनके पिता रामचंद्र द्विवेदी आर्य समाज से जुड़े थे । घर में राष्ट्रसेवा सांस्कृतिक गरिमा का वातावरण था। इसलिए प्रदीप जी मन और विचार से बचपन से राष्ट्र और संस्कृति चेतना से भरे थे । उनकी प्रारम्भिक शिक्षा बड़नगर में और उच्चशिक्षा लखनऊ में हुई।

कविता लिखने का शौक उन्हें बचपन से था । वे एक दृश्य देखकर अथवा कोई प्रसंग सुनकर बहुत प्रभावी गीत या कविता रच देते थे। वह इस वजह से लखनऊ विश्वविद्यालय में लोकप्रिय हो गए । पढ़ाई के दौरान ही उनकी भेंट उस समय के एक प्रखर और प्रभावशाली कवि गिरिजा शंकर दीक्षित से हुई। दीक्षित जी अपने समय में कवि सम्मेलनों के लोकप्रिय कवि और उनके शिक्षक भी थे । उनके मार्गदर्शन में गीत जीवन की यात्रा आरंभ हुई ।

प्रदीप जी ने 1939 में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण कर शिक्षक बनने की तैयारी शुरू की पर गीत रचना निरन्तर जारी रही । उनके शिक्षक दीक्षित जी के पिता बलभद्र प्रसाद जी भी अपने समय के लोकप्रिय गीतकार थे। और उनके कुछ गीत फिल्मों में आए थे । वे प्रदीप जी के गीतों से बहुत प्रभावित थे। उन्हीं दिनों प्रदीप जी ने चल चल रे नौजवान... एक गीत लिखा। दीक्षित जी ने यह गीत मुम्बई भेज दिया । यह गीत एक फिल्म नौजवान में आ गया । फिल्म लोकप्रिय हुई और गीत भी । यह फिल्म 1940 में रिलीज हुई थी । इस गीत के साथ प्रदीप जी रातों-रात पूरे देश में लोकप्रिय हो गए । 1942 में उनका दूसरा गीत मानों भारत छोड़ो आंदोलन का एक मंत्र बन गया । यह गीत था- आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा है... । यह गीत समाज का आह्वान करने वाला था। यह आंदोलन के दौरान हर गली चौराहे पर गाया गया । 1944 में उनके एक और गीत दूर हटो ऐ दुनिया वालो, ये हिन्दुस्तान हमारा है... ने फिर पूरे देश में तहलका मचा दिया । अंग्रेजी सरकार ने उनके गीतों को भड़काने वाला माना और गिरफ्तारी वारंट जारी हो गया । कवि प्रदीप गिरफ्तारी से बचने के लिए भूमिगत हो गए । बाद में फिल्म निर्माताओं ने मध्यस्थता की और प्रशासन को फिल्म स्क्रिप्ट के लिए इन गीतों की आवश्यकता बताई तब जाकर वारंट निरस्त हुआ ।

प्रदीप जी ने स्वतंत्रता के बाद जागृति जैसी फिल्मों के लिए नए अंदाज से गीत लिखे । हम लाए हैं तूफान से किश्ती निकल के... आज भी लोकप्रिय है । उन्होंने 1954 में बच्चों को समझाया आओ बच्चो तुम्हें दिखाएं झांकी हिन्दुस्तान की... । इस गीत में भारत के गौरवमयी अतीत की मानों एक झांकी थी । स्वतंत्रता की इस यात्रा के बीच ही 1962 में भारत-चीन युद्ध आ गया । उस युद्ध में भारतीय सैनिकों ने कितनी विषम परिस्थिति में भारत राष्ट्र की रक्षा की । वे कहानियां दिल को दहलाने वाली है । सैनिकों के बलिदान पर उनका गीत ऐ मेरे वतन के लोगो, जरा आंख में भर लो पानी... की रचना की । जिस भाव से प्रदीप ने इस गीत की रचना की उसी भावना से लता जी ने गाया । इस गीत के बोल आज भी हृदय को छू जाते हैं। यह गीत देशभक्ति के गीतों में अग्रणी माना गया । भारत सरकार ने उन्हे राष्ट्र कवि के सम्मान से सम्मानित किया ।

26 जनवरी, 1963 को आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में लता जी ने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की उपस्थिति में यह गीत गाया । नई दिल्ली में आयोजित इस राष्ट्रीय गणतंत्र समारोह में ऐसा कोई नहीं था जिसकी आंख में आंसू न आए हों। प्रदीप ने इस गीत की रॉयल्टी को सैनिकों की विधवा सहायता कोष यनी %वॉर विडो फंड% में जमा करने की घोषणा की पर गीत के अधिकार रखने वाली कंपनी एचएमवी ने समय पर पैसा जमा नहीं किया । और मामला कोर्ट में गया । एक लंबी कानूनी लड़ाई के बाद 25 अगस्त 2005 को बॉम्बे हाई कोर्ट ने एचएमवी कंपनी को रॉयल्टी के बकाया के रूप में एक मिलियन रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया। देशभक्ति मानों प्रदीप जी के रक्त में थी । 1987 में प्रदीप जी ने कहा था- कोई भी आपको देशभक्त नहीं बना सकता। यह आपके खून में होती है। आप इसे देश की सेवा के लिए कैसे लाते हैं जो आपको अलग बनाता है। सतत शब्द साधना और अपने गीतों से राष्ट्र साधना में रत प्रदीप जी ने अंततः 11 दिसंबर 1998 को 83 वर्ष की आयु में इस संसार से विदा ली ।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

जंगल की आग को लेकर दुनिया हो सचेत

हाल ही में दुनिया भर ने सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका को जंगल की आग के सामने लगभग पस्त देखा। दक्षिणी कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स काउंटी में पैलिसेड्स और ईटन की आग अमेरिका के दूसरे सबसे बड़े शहर के इतिहास में सबसे विनाशकारी थी। इस आग ने 37,000 एकड़ (150 वर्ग किलोमीटर) से अधिक क्षेत्र और 10,000 से अधिक घरों को नष्ट कर दिया। इसमें सैकड़ों अरब डॉलर का नुकसान हुआ। निजी मौसम विज्ञान फर्म एक्यूवेदर ने अनुमान लगाया है कि नुकसान और आर्थिक नुकसान 250 बिलियन से 275 बिलियन के बीच है।

लोगों को वन की आग को लेकर सचेत करने के लिए वन अग्नि सुरक्षा दिवस (सप्ताह) 01 -07 फरवरी तक मनाया जाता है। वन क्षेत्रों में आग से होने वाले नुकसानों को रोकने के लिए इसे मनाया जाता है। यह दिन वन्यजीवों और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए जागरूकता फैलाने का कार्य करता है। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय विज्ञान एजेंसी सीएसआईआरओ ने खुलासा किया है कि पिछले 30 वर्षों में जलवायु परिवर्तन के कारण जंगलों में आग लने की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

अन्य अहम घटनाएं:

664 - प्रसिद्ध चीनी बौद्ध भिक्षु ह्वेन त्सांग का निधन।

1679 - जर्मन शासक लियोपोल्ड प्रथम ने फ्रांस के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये।

1783 - इटली के कालाब्रिया में भीषण भूकंप में 30000 लोग मारे गये।

1870 - फिलाडेल्फिया के थियेटर में पहली बार चलचित्र दिखाया गया।

1900 - अमेरिका और ब्रिटेन के मध्य पनामा नहर समझौते पर हस्ताक्षर।

1904 - क्यूबा अमेरिका के कब्जे से मुक्त हुआ।

1917 - मैक्सिको ने नया संविधान अंगीकृत किया।

1922 - उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के पास चौरीचौरा कस्बे में उग्र भीड़ ने थाने में आग लगा दी जिसमें 22 पुलिसकर्मियों की मौत हो गयी।

1924 - रेडियो समय संकेतक जीएमटी का पहली बार प्रसारण रायल ग्रीनविच से हुआ।

1931 - मैक्सिने डनलप पहली ग्लाइडर पायलट बनी।

1961 - ब्रिटिश समाचार पत्र संडे टेलीग्राफ के पहले संस्करण का प्रकाशन हुआ।

1970 - अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।

1994 - सरायेवो के बाजार में नरसंहार हुआ। सरायेवो के मुख्य बाजार में एक मोर्टार बम के फटने से 68 लोगों की मौत हो गई थी और 200 लोग घायल हुए थे।

2004 - पाकिस्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ़ ने परमाणु प्रौद्योगिकी के ग़लत इस्तेमाल के मामले में परमाणु वैज्ञानिक अब्दुल कादिर ख़ान को माफी दी।

2006 - ईरान ने यूरेनियम संवर्धन शुरू किया।

2007 - भारतीय मूल की सुनीता अंतरिक्ष में सबसे अधिक समय बिताने वाली महिला बनीं।

2008 -पंजाब में पटियाला की विशेष अदालत ने कंधार विमान अपहरण मामले में तीन आरोपियों को आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई।

2009 - मायावती ने प्रदेश के पाँच महानगरों लखनऊ, फ़ैज़ाबाद, अयोध्या, कानपुर, बिठूर, इलाहाबाद और मेरठ के विकास के लिए 5056 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

2010 - भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने नीदरलैंड इंटरनेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में 600 में से 596 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक जीत लिया।

2020 - यूक्रेन स्कैंडल मामले में अमेरिकी सीनेट ने डोनाल्ड ट्रम्प पर चल रही महाभियोग की कार्रवाई को निरस्त किया। ट्रम्प पर अमेरिका के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव ने महाभियोग पास किया था।

जन्म

1990 - भुवनेश्वर कुमार - भारतीय तेज गेंदबाज।

1970 - होरेन सिंह बे - भारतीय राज्य असम से आने वाले राजनीतिज्ञ।

1630 - हर राय - सिखों के सातवें गुरु का पंजाब के कीरतपुर।

1639 - ज़ेबुन्निसा - मुग़ल बादशाह औरंगज़ेब की बेटी।

1916 - जानकी वल्लभ शास्त्री - प्रसिद्ध कवि।

1968 - प्रेम सिंह तमांग - सिक्किम के राजनीतिज्ञों में से एक।

1976 - अभिषेक बच्चन - फ़िल्म अभिनेता।

1932 - शंख घोष - प्रसिद्ध बांग्ला कवि, आलोचक एवं शिक्षाविद् थे।

निधन

2014 - जुथिका रॉय- प्रसिद्ध भजन गायिका।

2010 - सुजीत कुमार - भोजपुरी और हिन्दी फ़िल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता थे।

2008 - म??हर्षि महेश योगी - प्रसिद्ध भारतीय योगाचार्य थे, जिन्होंने योग को भारत के बाहर भी प्रसिद्धि दिलाई।664 ई. - ह्वेन त्सांग - प्रसिद्ध चीनी बौद्ध भिक्षु थे।

1927 - इनायत ख़ान - भारतीय सूफ़ी संत

महत्त्वपूर्ण अवसर एवं उत्सव

वन अग्नि सुरक्षा दिवस (सप्ताह)।

योगासन का रंगारंग समापन, खेल मंत्री ने विजेताओं को पहनाए पदक

अल्मोड़ा। 38वें राष्ट्रीय खेलों की योगासन प्रतियोगिता का अल्मोड़ा के हेमवती नंदन बहुगुणा स्पोर्ट्स स्टेडियम में रंगारंग समापन हुआ। इस मौके पर खेल मंत्री रेखा आर्या ने विजेताओं को पदक पहनाए। खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि अल्मोड़ा के लिए नेशनल गेम्स में योगासन प्रतियोगिता का आयोजन करना गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इन खेलों के जरिए अल्मोड़ा को देश भर में पहचान मिली है। खेल मंत्री ने कहा कि दो महीने से भी कम समय के अंदर योगासन के एशियन गेम्स होने वाले है, इसलिए योग के खिलाड़ियों को समझ लेना चाहिए कि दुनिया अब उनको फॉलो करने जा रही है। खेल मंत्री रेखा आर्या ने उम्मीद जताई के 2036 में भारत को ओलंपिक की मेजबानी मिले तो उसमें योगासन भी एक मेडल गेम के तौर पर शामिल हो। खेल मंत्री रेखा आर्या ने विजेता टीमों को ट्रॉफी और पदक विजेताओं को पदक प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश बहुगुणा, मेयर अजय वर्मा, जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडे, जयदीप आर्य, चंद्रकांत आर्य, भुवन जोशी, अशोक जलाल आदि उपस्थित रहे।

सलालम प्रतियोगिता में राजस्थान के प्रद्युम्न राठौर और उत्तराखंड की रीना ने जीता स्वर्ण

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेल के तहत उत्तराखंड के पौड़ी जिले में स्थित फूलचट्टी में गंगा नदी पर सलालम प्रतियोगिता और महिला कनोई सलालम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में राजस्थान के प्रद्युम्न राठौर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष सलालम प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं, उत्तराखंड के धीरज सिंह ने रजत पदक और मेघालय के पिनशेंइन कुर्वाह ने कांस्य पदक जीता। महिला कनोई सलालम प्रतियोगिता में उत्तराखंड की रीना ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक जीता। मध्य प्रदेश की पल्लवी जगताप ने रजत पदक और आंध्र प्रदेश की डोड्डी चैथना भगवती ने कांस्य पदक प्राप्त किया। प्रतियोगिता में राजस्थान, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गुजरात, मेघालय, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और सर्विसेज के खिलाड़ियों ने भाग लिया। गंगा की धारा में रोमांचक मुकाबलों के बीच खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

एलएंडटी मुंबई ओपन में दिखा भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा

मुंबई। भारत की उभरती हुई टेनिस स्टार 15 वर्षीय माया ने एलएंडटी मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125 में शानदार प्रदर्शन करते हुए बेलारूस की इरीना श्यामनोविच को 6-4, 6-1 से हराकर क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में जारी इस इवेंट के अंतिम-16 दौर में प्रवेश किया।

इस युवा सनसनी ने सटीकता और संयम के साथ अपने से अधिक अनुभवी प्रतिद्वंद्वी को मात दी। माया ने शुरुआती सेट में ही लय बना ली। 2-2 की बराबरी के बाद चार ऐस सहित शक्तिशाली सर्व के साथ नियंत्रण हासिल करते हुए पहले सेट को 6-4 से अपने नाम सुरक्षित किया। उनके आक्रामक बेसलाइन खेल ने श्यामनोविच को डिफेंसिव बनाए रखा। दूसरे सेट में, श्यामनोविच ने वापसी की कोशिश की और इस दौरान उन्होंने माया को लंबी रैलियों में उलझाया, लेकिन भारतीय किशोरी इससे बेपरवाह रही। बेहतरीन टाइमिंग के साथ बेहतरीन शॉट लगाते हुए, उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाया और शानदार ऐस के साथ मैच को अपने नाम कर लिया, जिससे घरेलू दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाकर उनका अभिनंदन किया।

इस बीच, भारत की वाइल्डकार्ड एंट्री अंकिता रैना ने हमवतन वैष्णवी अदकर पर दबदबा बनाते हुए 6-2, 6-2 से जीत हासिल की। रैना की रणनीति और दृढ़ निश्चय स्पष्ट था क्योंकि उन्होंने पहले सेट में अदकर की दो बार सर्विस तोड़ी और दो महत्वपूर्ण ब्रेक पॉइंट बचाए। उनके आक्रामक रिटर्न और नियंत्रित बेसलाइन प्ले ने अदकर को बैकफुट पर रखा। दूसरे सेट में अदकर की ओर से थोड़ी वापसी के प्रयास के बावजूद, रैना ने अनफोर्स्ड एरर का फायदा उठाते हुए मैच को सीधे सेटों में जीत लिया।

महिला प्रीमियर लीग 2025: गुजरात जायंट्स की कप्तान नियुक्त हुई एशले गार्डनर

अहमदाबाद। गुजरात जायंट्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के आगामी सीज़न के लिए ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एशले गार्डनर को टीम का कप्तान नियुक्त किया है। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की एक प्रमुख शख्सियत गार्डनर ने 2017 में पदार्पण किया था।

गार्डनर दो बार बेलिंडा क्लार्क पुरस्कार विजेता हैं और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह 2023 में दक्षिण अफ्रीका में टी20 विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट थीं। लीग की शुरुआत से ही गार्डनर गुजरात जायंट्स का अभिन्न हिस्सा रही हैं। डब्ल्यूपीएल के पिछले दो सीज़न में, उन्होंने 324 रन बनाए हैं और 17 विकेट हासिल किए हैं। गार्डनर ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक बयान में कहा, गुजरात जाइंट्स का कप्तान बनाया जाना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। मुझे इस टीम का हिस्सा बनना बहुत पसंद है और मैं आगामी सीज़न में इस शानदार समूह का नेतृत्व करने के लिए उत्साहित हूं। हमारी टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों और भरपूर भारतीय प्रतिभाओं का बेहतरीन मिश्रण है।

पूर्व श्रीलंकाई कप्तान दिमुथ करूणारत्ने ने लियां अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

एजेंसी
कोलम्बो । श्रीलंकाई बल्लेबाज़ दिमुथ करूणारत्ने ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फ़ैसला किया है। गाले में ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ इसी सप्ताह शुरू हो रहा दूसरा टेस्ट उनके करियर का 100वां और आख़िरी टेस्ट होगा। इस मैच के बाद श्रीलंका को अगले एक साल में मई 2026 तक सिर्फ़ दो टेस्ट मैच खेलने हैं और करूणारत्ने सिर्फ़ टेस्ट फ़ॉर्मेट ही खेलते हैं। 2024 से उनका फ़ॉर्म भी कुछ ख़ास नहीं रहा है और उन्होंने पिछले 14 महीनों में सिर्फ़ 27.05 की औसत से रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ गाले का दूसरा टेस्ट इस विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में श्रीलंका का आख़िरी टेस्ट भी है।

करूणारत्ने ने 2012 में न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ गाले में ही टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक खेले 99 टेस्ट में 16 शतकों

और 39 अर्धशतकों की मदद से 39.40 की औसत से 7172 रन बनाए हैं, जो कि कुमार संगकारा, माहेला जयवर्धने और एंजेलो मैथ्यूज़ के बाद श्रीलंका की तरफ़ से चौथा सर्वाधिक है। वह 100 टेस्ट खेलने वाले श्रीलंका के सातवें क्रिकेटर भी होंगे। उनसे पहले सनत जयसूर्या, मुथैया मुरलीधरन, चामिंडा वास, जयवर्धने , संगकारा और मैथ्यूज़ यह कारनामा कर चुके हैं। ईएसपीएन क्रिकइंफो से बात करते हुए करूणारत्ने ने कहा, '100 टेस्ट खेलना एक बड़ी बात है, ख़ासकर जब आप टीम के सलामी बल्लेबाज़ हों। हां, 10000 टेस्ट रन ना पूरा करने का पछतावा मुझे ज़रूर होगा। 2017 से 2019 तक जिस तरह का क्रिकेट खेला, मुझे लगता था कि मैं वहां तक पहुंच जाऊंगा, लेकिन कोविड के बाद श्रीलंका ने टेस्ट मैच खेलने कम कर दिए। इसके अलावा हम दो बार डब्ल्यूटीसी फ़ाइनल में जगह बनाने के क़रीब थे। मैं एक बार ज़रूर डब्ल्यूटीसी फ़ाइनल का अनुभव लेना चाहता था। करूणारत्ने ने श्रीलंकाई टीम की 30 टेस्ट मैचों में कप्तानी भी की है। वह 2019 वनडे विश्व कप में भी श्रीलंकाई टेस्ट टीम के कप्तान थे और उन्होंने कुल 50 वनडे में श्रीलंका का प्रतिनिधित्व किया है। ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ गाले का दूसरा टेस्ट गुरूवार से शुरू हो रहा है।

वरुण चक्रवर्ती इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल

एजेंसी
नई दिल्ली । पुरुष चयन समिति ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए अबूझ स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भारतीय टीम में शामिल किया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में यह जानकारी दी।

वरुण ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में कुल 14 विकेट लिए, जिसमें 5 मैचों की टी20 सीरीज में राजकोट में पांच विकेट शामिल हैं। वह अपने शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज भी रहे। वरुण नागपुर में होने वाले पहले वनडे के लिए टीम में शामिल हुए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारत की अपडेटेड टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेट कीपर), ऋषभ पंत (विकेट कीपर), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती।

चैंपियंस ट्रॉफी में कमिंस का खेलना 'लगभग असंभव', स्मिथ या हेड करेंगे ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व

एजेंसी
मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस का अपने टखने की समस्या के कारण चैंपियंस ट्रॉफ़ी में खेलना 'लगभग असंभव' है। कोच एंड्र्यू मैकडोनाल्ड के अनुसार स्टीवन स्मिथ और ट्रैविस हेड कप्तानी की दौड़ में हैं, जबकि जोश हेज़लवुड भी समय पर जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कमिंस अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण श्रीलंका के टेस्ट दौरे से चूक गए, लेकिन वह टखने की समस्या से भी जूझ रहे हैं जो बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफ़ी में भारी काम के बोझ के बाद बढ़ गई थी। ऑस्ट्रेलिया के वनडे खिलाड़ी, जो टेस्ट दौरे पर नहीं हैं, गुरुवार को श्रीलंका के लिए उड़ान भरने वाले हैं, लेकिन मैकडोनाल्ड ने बुधवार सुबह खुलासा किया कि कमिंस के उनके बीच होने की संभावना नहीं है।

मैकडोनाल्ड ने एसईएन को बताया, 'पैट कमिंस किसी भी प्रकार की गेंदबाज़ी को फिर से शुरू करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए उनकी संभावना बहुत कम है, इसका मतलब यह होगा कि हमें एक कप्तान की ज़रूरत है। स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड दो ऐसे लोग हैं जिनके साथ हम बातचीत कर रहे हैं, जब हम पैट के साथ घर में चैंपियंस ट्रॉफ़ी टीम का निर्माण कर रहे हैं। वे ही दो लोग होंगे जिन पर हम नेतृत्व पद के लिए विचार करेंगे। 'वे दो स्पष्ट हैं। स्टीव ने यहां पहले टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने पूरे सफ़र में वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी कुछ अच्छे काम किए हैं। तो यह उन दोनों के बीच है।' लेकिन, जैसा

कि मैंने कहा, पैटी की संभावना बेहद कम है, जो थोड़ी शर्म की बात है, और हमारे पास जोश हेज़लवुड भी हैं, जो इस समय फ़िट होने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। चिकित्सा संबंधी जानकारी अगले कुछ दिनों में पहुंच जाए और हम उसे आगे बढ़ाने में सक्षम होंगे और सभी को दिशा बता पाएंगे।

पोंटिंग ने मिशेल मार्श के विकल्प के रूप में मिच ओवेन को लेने का दिया सुझाव

एजेंसी
नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया को आगामी आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी अभियान के लिए चोटिल मिशेल मार्श की जगह अनकैप्ड ऑलराउंडर मिशेल ओवेन को टीम में शामिल करना चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीम में अहम भूमिका निभाने वाले मार्श को पिछले महीने पीठ की चोट के कारण आगामी प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया था और राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के पास उनके रिप्लेसमेंट को अंतिम रूप देने के साथ आईसीसी को 15 सदस्यीय अपनी अंतिम टीम घोषित करने के लिए 12 फरवरी तक का समय है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक किसी रिप्लेसमेंट की घोषणा नहीं की है, लेकिन पोंटिंग ने ओवेन का नाम सुझाया है, जिन्होंने हाल ही में बिग बैश लीग में दबदबा बनाया था, और उनका मानना है कि 23 वर्षीय खिलाड़ी को

अगर मौका मिले तो वह जल्दी ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ सकता है। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता कि वे किस तरफ जाएंगे। मुझे नहीं पता कि आप लोग बीबीएल (बिग बैश लीग) देख रहे हैं या नहीं, लेकिन हमारे पास एक युवा बच्चा है जो अचानक से उभर कर सामने आया है, जिसका नाम मिच ओवेन है, जिसने होबार्ट हरिकेंस के लिए बल्लेबाजी की शुरुआत की है। बीबीएल में ओवेन ने 203.60 की शानदार स्ट्राइक रेट से 452 रन बनाकर रन बनाने की सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने अपनी मध्यम गति से तीन विकेट भी चटकाए। वह एक ऑलराउंडर भी हैं, और मार्श के विकल्प के रूप में वह सही हो सकते हैं। पोंटिंग ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है कि चयनकर्ताओं को अब पता चल गया है कि उनके लिए एक शानदार विकल्प मौजूद है। ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत 22 फरवरी को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ करेगा।

टी20 क्रिकेट में दुनिया के अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज बने राशिद खान

एजेंसी
नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान टी20 क्रिकेट में दुनिया के अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि मंगलवार रात एसए 20 में एमआई केप टाउन की ओर से खेलते हुए पर्ल रॉयल्स के खिलाफ हासिल की। उन्होंने डुनिथ वेललेज को क्लीन बोल्ड किया और इतिहास में अपना नाम दर्ज करवा लिया। राशिद ने ड्वेन ब्रावो को पीछे छोड़ दिया, जिनके सितंबर 2024 में सेवानिवृत्त होने पर इस प्रारूप में 631 विकेट थे। अब राशिद के नाम टी 20 क्रिकेट में 632 विकेट दर्ज हैं। इस सूची में तीसरे नंबर पर सुनील नरेन (574), चौथे पर इमरान ताहिर (531), पांचवें पर शाकिब अल हसन (492) और छठे पर आंद्रे रसल (466) हैं।राशिद ने मैच

के बाद एक टेलीविजन साक्षात्कार में कहा, यह एक बड़ी उपलब्धि है। अगर आपने मुझसे 10 साल पहले पूछा होता तो मैंने कभी नहीं सोचा होता कि मैं ऐसा कर सकता हूं। जब आप अफगानिस्तान से हों तो तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करना गर्व की बात है। शायद ऐसा इसलिए है क्योंकि राशिद ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और द हंड्रेड सहित ब्रावो की तुलना (ब्रावो ने 30, राशिद ने 18) दो-तिहाई से भी कम टीमों के लिए खेला।

एसए 20 क्वालीफायर में मुंबई इंडियंस की केपटाउन टीम के लिए खेलते हुए और कप्तानी करते हुए राशिद की टीम ने पार्ल रॉयल्स को 39 रनों से हरा दिया।यह लीग चरण के बाद स्टैंडिंग में शीर्ष पर रहने वाली केपटाउन के लिए लगातार छठी जीत थी,- इसका मतलब था कि वे सीधे वांडरर्स में शनिवार के फाइनल में पहुंच गए। यह उस टीम के लिए एक उल्लेखनीय बदलाव है जो प्रतियोगिता के पहले दो संस्करणों में अंतिम स्थान पर रही थी।

38वें राष्ट्रीय खेल : योगासन स्पर्धा में पश्चिम बंगाल ने मारी बाजी

एजेंसी
अल्मोड़ा। हेमवती नंदन बहुगुणा स्टेडियम में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों की योगासन स्पर्धा संपन्न हो गई। इस पांच दिवसीय प्रतियोगिता में देशभर के 22 राज्यों से 171 खिलाड़ियों ने भाग लिया और विभिन्न योगासन विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। योगासन स्पर्धा में पश्चिम बंगाल ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया। हरियाणा ने एक स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि उत्तराखंड ने एक स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक जीतकर तीसरा स्थान सुनिश्चित किया।

पारंपरिक योगासन (पुरुष): शुभम देबनाथ (गोवा) - स्वर्ण, विशाल द्विवेदी (उत्तराखंड)- रजत, दीपक यादव (उत्तराखंड) व भारत रमा गौड़ा (कर्नाटक) - कांस्य।

रिदमिक योगासन जोड़ी (महिला): सर्बश्री मोंडल और सथी मोंडल (पश्चिम बंगाल) - स्वर्ण, सुहानी गिरिपुंजे व रचना अंबुलकर (महाराष्ट्र) - रजत, देवी और भतेरी (हरियाणा) - कांस्य।

रिदमिक योगासन (पुरुष): देव और अभय मिश्रा (चंडीगढ़) - स्वर्ण, धर्मतेजा के.ए. व अबिनेश कुमार बी (तमिलनाडु)- रजत, शशांक शर्मा व प्रियांशु (उत्तराखंड) -कांस्य।

आर्टिस्टिक योगासन सिंगल (महिला): शिल्पा दास (पश्चिम बंगाल) - स्वर्ण, देवी (हरियाणा) व साक्षी कुमारी (बिहार) - संयुक्त रजत, वैष्णवी सरवनकुमार (तमिलनाडु) व अल्का कुमारी (पंजाब)-संयुक्त कांस्य। आर्टिस्टिक योगासन ग्रुप (पुरुष): उत्तराखंड - स्वर्ण, हरियाणा -रजत, महाराष्ट्र और राजस्थान - संयुक्त कांस्य।

छत्तीसगढ़ में छह फरवरी से शुरु होगा लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीग

एजेंसी
रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बलिदानी वीरनारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की मेजबानी में लीजेंड 90 लीग टूर्नामेंट का आगाज 6 फरवरी को होने जा रहा है। यह टूर्नामेंट 18 फरवरी तक चलेगा। वहीं आज बुधवार को 6 टीमों के 60 से अधिक खिलाड़ी रायपुर पहुंचेंगे। आईपीएल की तर्ज पर दर्शकों को ओपनिंग सेरेमनी देखने को मिलेगी, जिसमें तमन्ना भाटिया, आयुष्मान खुराना और हार्डी संधू धमाकेदार परफॉर्मेंस करेंगे।

लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीग में देश-विदेश के दिग्गज क्रिकेटर हिस्सा लेंगे। आज बुधवार 6 फरवरी से पहले इन टीमों के दिग्गज खिलाड़ी रायपुर पहुंचेंगे। इन खिलाड़ियों की मौजूदगी क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बड़ा आकर्षण होगा। इस लीग में शामिल टीमों के नाम, उनके कप्तान

और स्टार खिलाड़ी पहले ही चर्चा में आ चुके हैं, और सभी की नजरें इस रोमांचक टूर्नामेंट पर टिकी हुई हैं। वहींलीजेंड 90 लीग के लिए पिच को तैयार किया गया है। मैदान के चारों और लाइट सिस्टम लगाया जा रहा है। लीग टूर्नामेंट से पहले व्यवस्था को बेहतर कर लिया गया है। दर्शकों के बैठने के लिए कई हजार नई सीटें लगाई गई है। लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीग की ओपनिंग सेरेमनी भी बेहद खास होगी। इस आयोजन में फिल्म और संगीत जगत के मशहूर सितारे अपनी धमाकेदार परफॉर्मेंस देंगे। बॉलीवुड के स्टार अभिनेता आयुष्मान खुराना, खूबसूरत अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और पंजाबी सिंगर हार्डी संधू इस भव्य आयोजन में परफॉर्म करेंगे। इन स्टार्स के लाइव परफॉर्मेंस से शाहर-शारिका का माहौल बन जाएगा, जो सभी को आकर्षित करेगा। लीजेंड 90 लीग में दर्शकों के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग शुरू हो चुकी है। पहले दिन के लिए टिकट खरीदी जा रही है। स्टेडियम में ऑफलाइन भी टिकट मिलेगी. आयोजक द्वारा व्यवस्था बनाई जा रही है। ऑनलाइन टिकट खरीदने वाले दर्शक टिकट को स्कैन करवाकर सीधे स्टेडियम में प्रवेश करेंगे।

घर-घर में खिलाड़ी तैयार करना है सरकार का मकसद :आर्या

एजेंसी
अल्मोड़ा/नैनीताल। उत्तराखंड की खेल मंत्री रेखा आर्य ने अल्मोड़ा के रानीखेत और सोमेश्वर विधानसभा में एक मिनी स्टेडियम और दो सड़कों के निर्माण का शुभारंभ किया। इस मौके पर खेल मंत्री ने कहा कि वह इतनी खेल सुविधाएं जुटाना चाहती हैं जिससे प्रदेश भर में घर-घर में खिलाड़ी तैयार हो सकें। सबसे पहले कैबिनेट मंत्री ने सिलोर महादेव की भूमि पर प्रस्तावित मिनी स्टेडियम को लेकर लोगों से संवाद करते हुए कहा कि मिनी स्टेडियम बनने के बाद सिलोर महादेव की भूमि से घर-घर से खिलाड़ी निकलना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने खिलाड़ियों के भविष्य को स्वर्णिम बनाने की सभी तैयारी पहले से ही कर दी है। पहले पर्वतीय क्षेत्रों में आम लोगों की तरफ से सड़क, स्कूल और अस्पताल बनाने की मांग की जाती थी।

कर्नाटक 42 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर

एजेंसी
देहरादून। कर्नाटक 42 पदकों के साथ 38वें राष्ट्रीय खेलों के पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। कर्नाटक ने अब तक 22 स्वर्ण, 10 रजत और 10 कांस्य पदक जीते हैं। सर्विसेज 38 (19 स्वर्ण, 10 रजत और 9 कांस्य) पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है। महाराष्ट्र ने अब तक सबसे अधिक 61 पदक अर्जित किए हैं, जिनमें 15 स्वर्ण, 26 रजत और 20 कांस्य पदक शामिल हैं, जिससे यह कुल पदकों की संख्या के आधार पर सबसे आगे है, लेकिन स्वर्ण पदकों की संख्या कम होने के कारण तीसरे स्थान पर है।

मणिपुर ने 11 स्वर्ण, 10 रजत और 5 कांस्य पदकों के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया है, जबकि मध्य प्रदेश 10 स्वर्ण, 5 रजत और 5 कांस्य पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है। हरियाणा, तमिलनाडु और दिल्ली ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। हरियाणा ने 6 स्वर्ण, 9 रजत और 18 कांस्य पदक जीतकर कुल 33 पदक हासिल किए हैं, जबकि तमिलनाडु 9 स्वर्ण, 12 रजत और 13 कांस्य पदकों के साथ 34 पदकों पर पहुंच चुका है।उत्तराखंड, जो इस बार खेलों की मेजबानी कर रहा है, ने अब तक केवल 1 स्वर्ण, 7 रजत और 9 कांस्य पदकों के साथ कुल 17 पदक जीते हैं, जिससे वह 19वें स्थान पर है।

38th NATIONAL GAMES Uttarakhand 25 SILVER JUBILEE YEAR SANKALP SE SHIKHAR TAK 28th JAN TO 14th FEB 2025

राष्ट्रीय खेल में अब तक का यह रोमांचक प्रदर्शन यह दर्शाता है कि विभिन्न राज्य और संघीय टीमें अपने खिलाड़ियों के बेहतरीन खेल प्रदर्शन के साथ आगे बढ़ रही हैं। अगले कुछ दिनों में पदक तालिका में और बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

सिल्वर से शुरुआत, सोने की ओर बढ़ते कदमः नीरज ने बढ़ाया उत्तराखंड का मान

एजेंसी
देहरादून। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल में प्रदेश के खिलाड़ियों ने उम्दा प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। खासकर वूशु प्रतियोगिता में उत्तराखंड के लाल नीरज जोशी ने सिल्वर मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।नीरज जोशी का यह सफर संघर्षों से भरा रहा है, लेकिन अपनी मेहनत और उत्तराखंड सरकार की खेल नीतियों से प्रेरित होकर उन्होंने इस मुकाम को हासिल किया। हल्द्वानी निवासी नीरज जोशी के पिता राजेश बल्लभ जोशी एक किसान हैं और खेती के माध्यम से अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद नीरज ने वूशु में अपना करियर बनाने का सपना देखा और पिछले आठ वर्षों से देहरादून में रहकर प्रशिक्षण ले रहे हैं। हालांकि, आर्थिक तंगी और चोटों के कारण उनका खेल करियर कई बार संकट में आ गया। साल 2022 में पैर की हड्डी टूटने के बाद नीरज हताश हो गए थे। खेल से दूर जाने का विचार उनके मन में आने लगा था, लेकिन परिवार और कोच के समर्थन के चलते उन्होंने फिर से वापसी की। वर्ष 2023 में उन्होंने ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में गोल्ड मेडल जीतकर अपने खेल में सुधार किया। हालांकि, गोवा में हुए राष्ट्रीय खेल 2023 में खेल सुविधाओं के अभाव के कारण वह केवल पांचवें स्थान पर रहे, जिससे वह निराश हो गए थे। नीरज जोशी का कहना है कि उत्तराखंड सरकार द्वारा खिलाड़ियों के लिए घोषित योजनाओं और प्रोत्साहनों ने उन्हें एक

नई ऊर्जा दी। राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेताओं को नगद पुरस्कार और सरकारी नौकरी देने की घोषणा ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया है। सरकार की इन नीतियों से प्रेरित होकर नीरज ने 38वें राष्ट्रीय खेल की वूशु स्पर्धा में हिस्सा लिया और सिल्वर मेडल जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया। उनका मानना है कि उत्तराखंड सरकार की ओर से दी जा रही सुविधाओं ने प्रदेश के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान किया है। उल्लेखनीय है कि 38वें राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में उत्तराखंड के कई खिलाड़ियों ने पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया। इनमें नीरज जोशी का नाम प्रमुख है, जिन्होंने वूशु स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीतकर अपनी मेहनत और प्रतिभा का परिचय दिया। नीरज ने कहा,उत्तराखंड सरकार की प्रोत्साहन राशि और सरकारी नौकरी की नीति से प्रदेश के खिलाड़ियों को एक नई दिशा मिली है। इससे आने वाली पीढ़ी भी खेलों की ओर आकर्षित होगी और उत्तराखंड का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।नीरज जोशी की इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे उत्तराखंड में खुशी की लहर है। यह जीत प्रदेश के अन्य युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरित करेगी और राज्य के खेल क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद करेगी।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट में 2025 के लिए दिए 3.764 करोड़ डॉलर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने वर्ष 2025 के लिए संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट में 3.764 करोड़ यूएस डॉलर का भुगतान किया है। इसके साथ ही वह संयुक्त राष्ट्र को उसके नियमित बजट का पूरा और समय पर भुगतान करने वाले 35 सदस्य देशों की सूची में शामिल हो गया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक बयान जारी कर बताया कि भारत ने वर्ष 2025 के लिए संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट में 37.64 मिलियन (3.764 करोड़) यूएस डॉलर का 31 जनवरी, 2025 को भुगतान किया है। इसके वह उन 35 सदस्य देशों की सूची में शामिल हो गया है, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र को अपने नियमित बजट का पूरा और समय पर भुगतान किया है। स्टीफन दुजारिक ने सोमवार को प्रेस ब्रीफिंग में उन देशों के नाम बताते हुए कहा, ''हम भारत में अपने मित्रों को धन्यवाद देते हैं।'' भारत लगातार उन देशों में शामिल रहा है, जो संयुक्त राष्ट्र के बजट में अपना अंशदान समय पर और पूर्ण रूप से अदा करते हैं। संयुक्त राष्ट्र योगदान समिति के अनुसार, 31 जनवरी, 2025 तक 35 सदस्य देशों ने संयुक्त राष्ट्र वित्तीय विनियमों में निर्दिष्ट 30-दिवसीय नियत अवधि के भीतर अपने नियमित बजट मूल्यांकन का पूरा भुगतान कर दिया है।

डॉ. अग्रवाल्स हेल्थ केयर का शेयर एनएसई पर सपाट और बीएसई पर मामूली बढ़त के साथ हुआ लिस्ट

नई दिल्ली। डॉ. अग्रवाल्स हेल्थ केयर लिमिटेड (डीएएचसीएल) के शेयरों की स्टॉक एक्सचेंज पर सपाट शुरुआत हुई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर डीएएचसीएल कंपनी का शेयर इश्यू प्राइस 402 रुपये पर लिस्ट हुआ। वहीं, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर शेयर इश्यू प्राइस से 1.27 फीसदी नीचे 396.90 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। डॉ. अग्रवाल्स हेल्थ केयर लिमिटेड के आईपीओ का मूल्य 302.7.26 करोड़ रुपये है। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 29 से 31 जनवरी तक खुला रहा था। आईपीओ का मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 382-402 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। आईपीओ तीन कारोबारी दिनों में कुल 1.49 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ को 5.35 करोड़ शेयरों की पेशकश के मुकाबले 7.98 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। कंपनी का यह इश्यू कुल 3,027.26 करोड़ रुपये का था। इसके लिए कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए 2,727.26 करोड़ रुपये के 6,78,42,284 शेयर बेचे। वहीं, कंपनी 300 करोड़ रुपय के 74,62,686 फ्रेश शेयर जारी किए। इस इश्यू के लिए खुदरा निवेशक अधिकतम 490 शेयर और एक लॉट में 35 शेयरों के लिए बिडिंग कर सकते थे।

साउथ इंडियन बैंक ने स्टार्टअप्स के लिए लॉन्च किए विशेष चालू खाते

कोच्चि। भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को सशक्त बनाने के उद्देश्य से निजी क्षेत्र के साउथ इंडियन बैंक (एसआईबी) ने दो विशेष स्टार्टअप चालू खाते बिजनेस स्टार्टअप चालू खाता और कॉर्पोरेट स्टार्टअप चालू खाता लॉन्च किया है। बैंक ने बयान जारी कर बताया कि यह पहल उन उद्यमियों को समर्थन देने के लिए की गई है, जो अपने व्यवसाय की शुरुआत कर रहे हैं और वित्तीय स्थिरता के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। एसआईबी बिजनेस स्टार्टअप चालू खाता मुख्य रूप से एकल स्वामित्व और साझेदारी फर्मों के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे वे अपने शुरुआती वर्षों में एक मजबूत बैंकिंग आधार बना सकें। इस खाते का योग्य होने के लिए संबंधित फर्म की निगमन या पंजीकरण तिथि तीन साल से अधिक पुरानी नहीं होनी चाहिए। इन खातों में कई अनूठी विशेषताएं शामिल हैं जैसे तीन वर्षों तक शून्य न्यूनतम बैलेंस की आवश्यकता, डिजिटल चैनलों के माध्यम से असीमित मुफ्त आरटीजीएस-एनईएफटी लेनदेन, प्रीमियम डेबिट कार्ड, जो हवाईअड्डे के लाउंज एक्सेस जैसी विशेष सुविधाएं प्रदान करता है। एसआईबी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी पी.आर. शेषाद्रि ने लॉन्च के मौके पर कहा, साउथ इंडियन बैंक में हम स्टार्टअप्स और उद्यमियों की अनूठी वित्तीय आवश्यकताओं को समझते हैं।

शार्प बिजनेस सिस्टम ने एनईसी इंडिया के डिस्प्ले कारोबार को खरीदा

नयी दिल्ली। भारत के डिस्प्ले प्रौद्योगिकी परिदृश्य के एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत शार्प बिजनेस सिस्टम (इंडिया) ने गर्व के साथ एनईसी इंडिया के डिस्प्ले बिजनेस के अधिग्रहण की घोषणा की है। शार्प बिजनेस सिस्टम्स (इंडिया) ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी देते एक विज्ञप्ति में कहा कि उसकी यह पहल एकीकरण शार्प के विजुअल समाधान पोर्टफोलियो को महत्वपूर्ण रूप से व्यापक बनाता है, जो भारत के तेज़ी से बढ़ते डिस्प्ले बाज़ार के प्रति इसकी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है और खुदरा, शिक्षा, विमानन, विनिर्माण, स्वास्थ्य सेवा और स्मार्ट शहरों जैसे प्रमुख क्षेत्रों को सशक्त बनाता है। शार्प बिजनेस सिस्टम्स ने कहा है कि यह नवाचार के माध्यम से भारत के गतिशील क्षेत्रों में बेजोड़ मूल्य प्रदान करने और 24/7 संचालन के साथ उद्योगों का समर्थन करने के लिए तैयार है। विज्ञप्ति में कहा गया है, यह विलय शार्प और एनईसी दोनों के मौजूदा भागीदारों के लिए उत्पाद पोर्टफोलियो को समृद्ध करता है, जो विविध उद्योग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार उच्च-प्रदर्शन समाधानों का एक व्यापक सूट प्रदान करता है।

मप्र में बनेंगे 10 लाख पीएम आवास (शहरी), कैबिनेट ने ड्रोन संवर्धन और सेमी कंडक्टर नीति को भी दी मंजूरी

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक हुई, जिसमें प्रदेश के हित में कई अहम निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने प्रदेश में 10 लाख प्रधानमंत्री आवास शहरी बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसके अलावा हुकुमचंद मिल इंदौर की भूमि हाउसिंग बोर्ड को दी जाएगी। अंतरिक्ष रजिस्ट्री में 19 करोड़ रुपये लगेंगे। हाउसिंग बोर्ड आवासीय और व्यावसायिक भूमि का उपयोग करेगा। लागत निकालने के बाद नगर निगम इंदौर और हाउसिंग बोर्ड के बीच आधा-आधा लाभांश बंटेगा। इसके साथ ही ड्रोन संवर्धन और सेमी कंडक्टर नीति को भी मंजूरी दी गई है। नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बैठक में लिए गए निर्णयों के बारे में बताया कि राज्य सरकार ने इंदौर की हुकुमचंद मिल की 17.52 हेक्टेयर जमीन पर कॉमर्शियल और रेसीडेंशियल आवास निर्माण के साथ बड़े शॉपिंग कॉम्पलेक्स के निर्माण को मंजूरी दी है। हुकुमचंद मिल के लिए त्रिपक्षीय समझौते के आधार पर काम किया जाएगा। सरकार इस प्रोजेक्ट में ग्रीनरी पर खास फोकस करेगी। इस मिल की 450 करोड़ रुपये की देनदारी सरकार दे चुकी है।

नगरीय विकास मंत्री विजयवर्गीय ने बताया कि बैठक में मुख्यमंत्री ने अपनी जापान की पांच दिन की यात्रा के अनुभव मंत्रियों के साथ साझा किए। इस दौरान जापान की संस्कृति पर चर्चा हुई। साथ ही मुख्यमंत्री ने भोपाल में 24 और 25 फरवरी को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) में जापान द्वारा किए जाने वाले संभावित निवेश की जानकारी दी। बैठक में जीआईएस की तैयारियों से जुड़ी कई नीतियों को मंजूरी दी गई।

नगरीय विकास मंत्री ने बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का जापान भी पार्टनर है। उन्होंने बताया कि भोपाल-इंदौर के बीच मेट्रो रेल प्रौद्योगिकी, स्मार्ट सिटी, शहरी विकास प्लानिंग पर जापान ने सहमति दी है। साथ विशेष चैनल स्थापित करने, हाईस्पीड ट्रेन कॉरिडोर, स्मार्ट ट्रांसपोर्ट सिस्टम पर जापान सहयोग करेगा। कपास से कप?ा और उससे रेडीमेड गारमेंट बनाने में भी जापान सहयोगी बनेगा। उज्जैन मेडिकल पार्क में यूनिट लगाने, ईवी मैन्युफैक्चरिंग में भी जापान ने सहमति दी है। नई उत्पादन लाइन में भी सहयोग करने का आश्वासन दिया है।

उन्होंने बताया कि मंत्रि-परिषद ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की मध्य प्रदेश सेमी कंडक्टर नीति 2025 को मंजूरी दे दी है। इस नीति में इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देने पर जोर होगा। कई राज्यों की पॉलिसी का अध्ययन करने के बाद यह नीति बनाई गई है। जीआईएस में दो हजार करोड़ तक का निवेश हो सकता है। रोजगार ज्यादा नहीं मिलता, लेकिन एक ईको सिस्टम तैयार होता है।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना नौकरी नहीं, अनुभव के लिए : वित्त मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पिछले साल घोषित प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) का उद्देश्य नौकरियां प्रदान करना नहीं था, बल्कि इसका उद्देश्य युवाओं को नौकरी के लिए तैयार करने और उन्हें कौशल प्रदान करना था।

उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं को शीर्ष 500 कंपनियों में इंटर्नशिप या एक्सपोजर प्रदान करने की अनुमति देना चाहती है। इसके बाद वे नौकरी की तलाश में बेहतर स्थिति में होंगे। वित्त मंत्री ने प्रश्नकाल के दौरान राज्य सभा में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए सदन को बताया कि पिछले साल शुरू हुई प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के पायलट प्रोजेक्ट के तहत उद्योगों ने 1.27 लाख अवसर प्रदान किए हैं। फिर संभावित उम्मीदवारों से आवेदन करने के लिए कहा गया और उसके बाद उन्हें अपने राज्य के भीतर चयन करने का अवसर प्रदान किया गया।

उन्होंने कहा कि दूसरा पायलट प्रोजेक्ट इस साल जनवरी से शुरू हुआ है। करीब 80 और कंपनियां ऑफर लेकर आई हैं। देश के सभी जिलों में इस कार्यक्रम के तहत 743 से अधिक जिलों में युवाओं को नौकरी दिलाने में सफलता मिली है। सीतारमण ने सदन को बताया कि सरकार बहुत सारे जागरूकता अभियान चला रही है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत समय दे रही है कि ज्यादा से ज्यादा युवा इस बारे में जानें।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में पतंजलि करेगा 1600 करोड़ का निवेश, 3000 को मिलेगा रोजगार

एजेंसी

हरिद्वार। उद्योग जगत में तेजी से विस्तार कर रहे पतंजलि समूह ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में विस्तार की नई योजना बनाई है। इस संबंध में पतंजलि समूह के प्रमुख आचार्य बालकृष्ण ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक प्राधिकरण के अधिकारियों से पतंजलि फूड एंड हर्बल पार्क सहित अन्य योजनाओं पर चर्चा की।प्रस्तावित पतंजलि फूड एंड हर्बल पार्क में एक अत्याधुनिक डेयरी प्लांट और औद्योगिक प्रशोधन हब स्थापित किया जाएगा। इससे स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। यह परियोजना 1,600 करोड़ रुपये के निवेश से प्रारंभ की जाएगी और कार्यशील होने पर यहां 3,000 से अधिक रोज़गार के अवसर सृजित होंगे। आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' अभियान और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के %इन्वेस्ट यूपी% मिशन के दृष्टिगत तैयार की गई है। पतंजलि ग्रुप यमुना एक्सप्रेस वे पर पहले से ही एक औद्योगिक पार्क विकसित कर रहा है, जिसमें छोटे और मध्यम

आकार के उद्योगों को सब-लीज के माध्यम से औद्योगिक स्पेस उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रस्तावित फूड एंड हर्बल पार्क इस पहल को और मजबूती देगा, जिससे एफएमसीजी, आयुर्वेद, डेयरी और हर्बल उद्योगों को स्थापित और विकसित होने का अवसर मिलेगा। औद्योगिक पार्क के दौरे के बाद आचार्य बालकृष्ण यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण के कार्यालय पहुंचे और प्राधिकरण के सीईओ अरुणवीर सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। अरुणवीर सिंह ने कहा कि यह परियोजना यमुना प्राधिकरण की स्थिति को उत्तर भारत के प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में मजबूती प्रदान करेगी। बुनियादी ढांचे, रोजगार सृजन और आर्थिक विकास पर केंद्रित यह पहल नए निवेश आकर्षित करेगी, स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देगी और उत्तर प्रदेश की औद्योगिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान करेगी। अरुणवीर सिंह ने कहा कि औद्योगिक परियोजनाओं को समर्थन देना, बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देना यमुना प्राधिकरण की प्राथमिकता है।

कपड़ा मंत्रालय ने तकनीकी वस्त्र क्षेत्र की चार स्टार्ट-अप को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कपड़ा सचिव नीलम शमी राव ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन के तहत 10वीं अधिकार प्राप्त कार्यक्रम समिति (ईपीसी) की बैठक में चार स्टार्ट-अप को मंजूरी दे दी। कपड़ा मंत्रालय ने बताया कि उद्योग भवन में केंद्रीय कपड़ा सचिव की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में समिति ने तकनीकी वस्त्र क्षेत्र में आकांक्षी नवोन्मेषकों के लिए अनुसंधान एवं उद्यमिता अनुदान (जीआरईएटी) योजना के तहत प्रत्येक को लगभग 50 लाख रुपये की सहायता के साथ चार स्टार्ट-अप को मंजूरी दी है। यह स्वीकृत स्टार्ट-अप परियोजनाएं मेडिकल टेक्सटाइल्स, औद्योगिक टेक्सटाइल्स और सुरक्षात्मक टेक्सटाइल्स के प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित हैं।

मंत्रालय ने बताया कि समिति ने सामान्य दिशा-निर्देशों के तहत तकनीकी वस्त्रों में पाठ्यक्रम आरंभ करने के लिए तीन शैक्षणिक संस्थानों को लगभग 6.5 करोड़ रुपये के अनुदान की भी मंजूरी दी। आईआईटी इंदौर और एनआईटी पटना इन संस्थानों में शामिल है। नए

संस्थान अपने पाठ्यक्रम में जियोटेक्सटाइल्स, जियोसिंथेटिक्स, प्रोटेक्टिव टेक्सटाइल्स, स्पोर्ट्स टेक्सटाइल्स आदि शामिल करेंगे। इसके अलावा समिति ने मेडिकल टेक्सटाइल्स, प्रोटेक्टिव टेक्सटाइल्स, मोबाइल टेक्सटाइल्स और एग्रोकल्चर टेक्सटाइल्स में 12 कौशल विकास पाठ्यक्रमों को भी मंजूरी दी है। ये सभी पाठ्यक्रम तीन वस्त्र अनुसंधान संगठन-दक्षिण भारत वस्त्र अनुसंधान संघ (एसआईटीआरए), उत्तरी भारत वस्त्र अनुसंधान संघ (एनआईटीआरए) और सिंथेटिक एवं आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन (एसएसएमआईआरए) ने विकसित किए गए हैं। इनका उद्देश्य तकनीकी वस्त्र मूल्य शृंखला के सभी केंद्रित समूहों को प्रशिक्षित करना है।

ट्रंप के जवाब में चीन ने अमेरिका से आयातित कोयला और गैस आयात पर 15 फीसदी टैरिफ लगाया

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीजिंग से आयातित वस्तुओं पर 10 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद अब चीन ने भी कई अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ लगा दिया है। इसके बाद विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच पुन: व्यापार युद्ध शुरू हो गया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने घोषणा की है कि वह अमेरिका के खिलाफ कई उत्पादों पर जवाबी शुल्क लागू कर रहा है। चीन की सरकार ने कहा है कि वह कोयला और तरलीकृत प्राकृतिक गैस उत्पादों पर 15 फीसदी टैरिफ लागू करेगी। साथ ही कच्चे तेल, कृषि मशीनरी, बड़े विस्थापन वाली कारों पर 10 फीसदी टैरिफ लागू रहेगा। चीन के स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन फॉर मार्केट रेगुलेशन ने कहा कि वह गूगल पर एंटीट्रस्ट कानूनों के उल्लंघन के संदेह में जांच कर रहा है। बयान में कहा गया है कि अमेरिका की एकतरफा टैरिफ वृद्धि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों का उल्लंघन है। यह न

केवल उनकी अपनी समस्याओं को हल करने में मददगार नहीं है, बल्कि चीन और अमेरिका के बीच सामान्य आर्थिक और व्यापार सहयोग को भी नुकसान पहुंचाता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से चीन पर लगाया गया 10 फीसदी टैरिफ मंगलवार से लागू होना था। हालांकि, ट्रंप ने अगले कुछ दिनों में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बात करने की योजना बनाई है।

24 कैरेट सोना 85 हजार पार, 22 कैरेट ने लगाई 78 हजार के ऊपर छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। दो दिन की मामूली गिरावट के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में जोरदार तेजी नजर आ रही है। इस तेजी के कारण 24 कैरेट सोना 85 हजार रुपये के स्तर को और 22 कैरेट सोना 78 हजार रुपये के स्तर को पार कर गया है। सोना आज 1,070 रुपये से लेकर 1,170 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। कीमत में आई इस उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 85,210 रुपये से लेकर 85,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 78,110 रुपये से लेकर 78,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। हालांकि चांदी की कीमत में आज 900 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। इस कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 98,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना

85,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 78,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 85,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 78,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 85,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 78,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 85,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 78,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 85,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 78,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 85,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 78,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 85,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 78,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 85,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 78,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 85,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 78,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत टेक्स 2025 वैश्विक कपड़ा महाशक्ति बनने की भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण: कपड़ा सचिव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कपड़ा सचिव नीलम शमी राव ने भारत टेक्स 2025 के आयोजन में वस्त्र उद्योग निकायों के सक्रिय प्रयासों की सराहना की। इसे अब तक का सबसे बड़ा और सबसे व्यापक वस्त्र आयोजन बताते हुए उन्होंने वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषदों और अन्य उद्योग निकायों की प्रतिबद्धता की सराहना की, जिन्होंने वस्त्रों की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को भारत टेक्स के अंतर्गत लाने के लिए अथक प्रयास किया। उद्योग भवन में भारत टेक्स 2025 ऐप और वेबसाइट के लॉन्चिंग के मौके पर कपड़ा सचिव ने अपने संबोधन में यह बात कही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत टेक्स एक विश्वसनीय, सतत सोर्सिंग गंतव्य के साथ-साथ वस्त्रों के लिए बड़े पैमाने पर निवेश गंतव्य के रूप में भारत के आकर्षण की पुष्टि

करेगा। उन्होंने कहा कि पूरा आयोजन वैश्विक वस्त्र महाशक्ति बनने के लिए भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। वस्त्र मंत्रालय समर्थित और 11 प्रमुख वस्त्र उद्योग निकायों की ओर से आयोजित भारत टेक्स 2025, भारत के वस्त्र क्षेत्र की विविधता, पैमाने और क्षमता को प्रदर्शित करने वाला एक ऐतिहासिक कार्यक्रम है। 2.2 मिलियन वर्ग फीट के क्षेत्र में फैले इस कार्यक्रम में 5 हजार से अधिक प्रदर्शकों, 120 देशों के 6 हजार अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और 1,20,000 से अधिक आगंतुकों के आने की उम्मीद है। इस कार्यक्रम में 70 से अधिक सम्मेलन सत्र, गोलमेज सम्मेलन और मास्टर कक्षाएं भी होंगी, जिनमें करीब 100 अंतरराष्ट्रीय वक्ता चर्चा करेंगे। भारत टेक्स 2025 अपने पहले संस्करण से भी बेहतर प्रदर्शन करने जा रहा है, जिसमें नए फीचर शामिल किए गए हैं। इसका दायरा बढ़ाया गया है। यह आयोजन 14 से 17 फरवरी, 2025 तक भारत मंडपम, राजधानी नई दिल्ली में और 12 से 15 फरवरी, 2025 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में होगा।

कर राहत से उपभोग, निवेश और वृद्धि को मिलेगा बढ़ावा : तुहिन कांत पांडेय

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त सचिव और राजस्व विभाग सचिव तुहिन कांता पांडे ने कहा कि कराधान सुधार केंद्रीय बजट 2025-26 की एक प्रमुख विशेषता है, क्योंकि इसका अर्थव्यवस्था के बाकी हिस्सों पर प्रभाव पड़ता है। इसको पहली बार बजट के भाग-ए में शामिल किया गया है।

भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (एसोचेम) के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बजट बनाना विभिन्न अनिवार्यताओं को संतुलित करना है और कभी भी खंडों में अभ्यास नहीं करना है। वित्त सचिव ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में व्यक्तिगत आयकर में 20-25 फीसदी की वृद्धि हुई है। वित्त सचिव ने कहा कि सरकार ने राजकोषीय घाटे को कम करने के लिए कदम उठाते हुए ऐसा केंद्रीय बजट पेश किया है, जिससे

महंगाई नहीं बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि हमें आय सृजन के लिए व्यापक अवसर और स्वैच्छिक अनुपालन का माहौल बनाने की जरूरत है। उच्च स्तर का कराधान प्रतिकूल है, और हमने करों में वृद्धि न करने का साहसिक कदम उठाया है।

होमएक्सचेंज ने भारत में शुरू किया परिचालन

नई दिल्ली। फ्रांस की राजधानी पेरिस स्थित होम-शेयरिंग सेवा प्रदाता कंपनी होमएक्सचेंज ने मंगलवार को भारत में आधिकारिक रूप से अपना परिचालन शुरू करने की घोषणा की। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि यह प्लेटफॉर्म भारतीय यात्रियों को प्रामाणिक, किफायती और टिकाऊ तरीके से दुनिया की खोज करने का अवसर प्रदान करता है।होमएक्सचेंज दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे भरोसेमंद होम-स्वैपिंग समुदाय है, जो यात्रियों को बिना किसी आवास शुल्क के यात्रा करने की सुविधा देता है। इस प्लेटफॉर्म के जरिए सदस्य अपने घरों की अदला-बदली कर सकते हैं, जिससे यात्रा की सबसे बड़ी लागतपूर्ण तरह समाप्त हो जाती है। 155 देशों में उपलब्ध यह सेवा, मेजबान और अतिथि के बीच किसी भी वित्तीय लेन-देन के बिना, यात्रियों को एक सुलभ और किफायती यात्रा विकल्प प्रदान करती है। होमएक्सचेंज के सह-संस्थापक चार्ल्स-एडौर्ड गिराउड ने कहा, 'हम भारत में होमएक्सचेंज लॉन्च करने को लेकर उत्साहित हैं। यह एक ऐसा बाजार है जो सुरक्षित और प्रामाणिक यात्रा अनुभवों को महत्व देता है। हमारा उद्देश्य सिर्फ रहने के स्थान उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि लोगों और संस्कृतियों को जोड़ने का भी है।उन्होंने बताया कि दो लाख 10 हजार से अधिक सदस्यों और हर मिनट एक नए एक्सचेंज को अंतिम रूप देने के साथ होमएक्सचेंज एक सुरक्षित और सत्यापित सदस्य-आधारित समुदाय प्रदान करता है। कंपनी अपने सदस्यों को 10 लाख डॉलर तक की संपत्ति क्षति कवरेज की भी गारंटी देती है।

टैरिफ वॉर टलने से स्टॉक मार्केट में उत्साह का माहौल, सेंसेक्स और निफ्टी ने लगाई जोरदार छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। गिरावट के बाद आज घरेलू शेयर बाजार शानदार तेजी का गवाह बना। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मेक्सिको और कनाडा पर लगाए जाने वाले एक्स्ट्रा टैरिफ को अस्थाई रूप से टालने का ऐलान करने के कारण दुनिया भर के स्टॉक मार्केट में आज उत्साह का माहौल बना रहा। ग्लोबल सपोर्ट के कारण घरेलू शेयर बाजार ने भी आज जोरदार तेजी दिखाई। इंट्रा-डे में सेंसेक्स 1,471 अंक और निफ्टी 401 अंक तक उछल गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.81 प्रतिशत और निफ्टी 1.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान एफएमसीजी को छोड़ कर सभी सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए। आज के कारोबार में एफएमसीजी इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की गिरावट का शिकार हो गया। दूसरी ओर बैंकिंग, आईटी, कैपिटल गुड्स और मेटल सेक्टर के शेयरों में आज दिनभर जोरदार खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने छह लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 425.24 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 419.54 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 5.70 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,073 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,511 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,407 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 155 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,561 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,797 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 764 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 25 शेयर बढ़त के साथ और 5 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 40 शेयर हरे निशान में और 10 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 500.86 अंक उछल कर 77,687.60 अंक के स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में मामूली उतार-चढ़ाव भी होता रहा। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक सुबह 11 बजे के थोड़ी देर पहले गिर कर 77,402.37 अंक तक आ गया, लेकिन इसके बाद बाजार में चौतरफा खरीदारी शुरू हो गई। इस खरीदारी की वजह से सेंसेक्स की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 1,471.85 अंक उछल कर 78,658.59 अंक तक पहुंच गया।

गाजा में दुनिया भर के लोग रह सकेंगे: ट्रम्प

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि गाजा पट्टी के विकास में अपार संभावनायें हैं, भविष्य में दुनिया भर के लोग वहां रह सकेंगे। श्री ट्रम्प ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ

संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे लगता है कि गाजा पट्टी की क्षमता अविश्वसनीय है। मुझे लगता है कि दुनिया भर के प्रतिनिधि वहां होंगे और वे वहां रहेंगे। फिलिस्तीनी भी, फिलिस्तीनी वहां रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका यह सुनिश्चित करेगा कि लोग वहां शांति से रह सकें। राष्ट्रपति ने कहा, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यह विश्व स्तरीय हो। यह लोगों के लिये अद्भुत होगा।

सिडनी रेलवे स्टेशन के पास चाकू से हमले में एक व्यक्ति की मौत

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में सिडनी के पश्चिमी उपनगरों में से एक किंग्सवुड रेलवे स्टेशन के पास चाकू से हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गयी। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य की पुलिस ने एक बयान में कहा कि मध्य सिडनी से लगभग 50 किलोमीटर पश्चिम में किंग्सवुड रेलवे स्टेशन के पास स्थानीय समयानुसार रात करीब 10:20 बजे 58 वर्षीय व्यक्ति के सीने पर चाकू से वार किये जाने के बाद आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया। एम्बुलेंस कर्मियों ने घटनास्थल पर ही व्यक्ति का इलाज किया और फिर उसे स्थानीय अस्पताल ले गये, जहां उसकी चोटों के कारण उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने घटनास्थल का पता लगा लिया है और जांच शुरू कर दी है।

होक्काइडो में सबसे अधिक हिमपात हुआ

टोक्यो। जापान के होक्काइडो शहर में सबसे अधिक हिमपात हुआ है जहां ओबिहिरो शहर में एक मीटर से अधिक बर्फ की परत जम गयी है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 08:00 बजे तक ओबिहिरो में 1.2 मीटर की बर्फ़बारी दर्ज की गई। मेमुरो और होनबेत्सू सहित अन्य क्षेत्रों में भी सबसे अधिक हिमपातहुई। राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके ने बताया कि होक्काइडो में 44 नगर पालिकाओं में कुल 379 सार्वजनिक प्राथमिक और जूनियर हाई स्कूल अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए हैं। जापान मौसम अधिकारियों ने चेतावनी दी कि इस मौसम की सबसे प्रबल शीत लहर आने के साथ ही होन्शू के जापान सागर की ओर भारी हिमपातहोने के आसार हैं, जिससे बर्फीला तूफान का खतरा बढ़ जाएगा और आवागमन प्रभावित होगा।

अमेरिका ने पाक में 84 करोड़ डॉलर की सहायता परियोजनाएं की निलंबित

इस्लामाबाद/वाशिंगटन। अमेरिका ने दुनिया भर में यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) परियोजनाओं के लिए राशि में कटौती के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के निर्देश के बाद पाकिस्तान में 84.5 करोड़ डॉलर से अधिक की सहायता परियोजनाओं को निलंबित कर दिया है। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि अचानक निलंबन ने महत्वपूर्ण विकास पहलों को रोक दिया है और सैकड़ों पाकिस्तानी नौकरियों को खतरे में डाल दिया है। जियो न्यूज के अनुसार अमेरिका ने पाकिस्तान में ऊर्जा, आर्थिक विकास, कृषि, लोकतंत्र, मानवाधिकार और शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य और मानवीय सहायता सहित विभिन्न क्षेत्रों में यूएसएआईडी द्वारा वित्त पोषित 39 प्रमुख परियोजनाओं पर तुरंत रोक लगा दी है

उत्तरपूर्वी ऑस्ट्रेलिया में बाढ़ से दूसरी मौत की पुष्टि

एजेंसी

सिडनी।उत्तरपूर्वी ऑस्ट्रेलिया में बाढ़ के पानी में दूसरे व्यक्ति की मौत की पुष्टि की गई और निवासियों को आने वाले दिनों में अतिवृष्टि की चेतावनी दी गई है।

ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य की पुलिस ने एक बयान में कहा कि 82 वर्षीय महिला का शव मंगलवार सुबह इंघम शहर के पास गन्ने के खेतों में मिला। बाढ़ का पानी कम होने के बाद स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11 बजे एक पड़ोसी को महिला के शव का पता चला।

ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड के उत्तरी उष्णकटिबंधीय तट क्षेत्र में बाढ़ संकट में यह दूसरी मौत है। इससे पहले, टाउन्सविले और केर्न्स शहरों के बीच प्रभावित क्षेत्र में सबसे अधिक प्रभावित कस्बों में से एक, इंघम में एक 63 वर्षीय महिला की रविवार को मृत्यु हो गई, जब छह लोगों के साथ एक आपातकालीन सेवा नाव एक पेड़ से टकराकर बाढ़ के पानी में पलट गई।

प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि वह 'इस अविश्वसनीय कठिन समय में परिवार और समुदाय के लिए चिंतित हैं।' शुक्रवार और सोमवार के बीच कुछ इलाकों में लगभग दो मीटर बारिश हुई, लेकिन स्थिति कुछ ठीक हुई, जिससे निकाले गए कुछ निवासियों को टाउन्सविले के निचले हिस्सों में अपने घरों में लौटने की इजाजत मिली।

हालांकि, मौसम विज्ञान ब्यूरो ने चेतावनी दिया है कि आने वाले दिनों में टाउन्सविले, इंघम और आसपास के इलाकों में 200 मिलीमीटर से अधिक बारिश हो सकती है।

टाउन्सविले से 350 किलोमीटर से ज्यादा अंदर स्थित जॉर्जटाउन शहर के निचले हिस्सों के निवासियों को मंगलवार रात घर खाली करने का आदेश दिया गया, जब पास की एक नदी ने अपना किनारा तोड़ लिया।

इंघम में हजारों संपत्तियों में विद्युत बहाल करने के लिए मंगलवार रात को एक जनरेटर जोड़ा गया था, लेकिन स्थानीय मेयर रेमन जायो ने कहा कि क्षेत्र के जल उपचार संयंत्र में खराबी आने के कारण बुधवार को शहर में पानी नहीं आ रहा।

बाढ़ के कारण शहर अन्य हिस्सों से कट गया है और आपूर्ति के लिए हवाई सहायता पर निर्भर है। अतिरिक्त बचाव दल और ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल के जवान पुनर्प्राप्ति प्रयासों में शामिल होने के लिए टाउन्सविले पहुंचे हैं।

स्पेसएक्स ने अंतरिक्ष में 21 स्टारलिंक इंटरनेट उपग्रहों का कक्षा में किया प्रक्षेपण

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। अमेरिका की निजी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने 21 स्टारलिंक उपग्रहों का कक्षा में प्रक्षेपण किया। स्पेसएक्स के अनुसार, 21 स्टारलिंक उपग्रहों को फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से स्थानीय समयानुसार तड़के करीब 05:15 बजे फाल्कन 9 रॉकेट द्वारा सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया गया। इनमें से 13 उपग्रहों में ' डायरेक्ट टू कॉल' क्षमताएं हैं, जिससे इन उपग्रहों में सीधे मोबाइल कॉल को सपोर्ट करने की क्षमता होगी, जो विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों के लिए उपयोगी साबित होगी। स्पेसएक्स के अनुसार, स्टारलिंक उच्च-गति ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवा उन स्थानों पर प्रदान करेगा, जहां इंटरनेट की पहुंच अस्थिर, महंगी या पूरी तरह से अनुपलब्ध है। इसका उद्देश्य दुनिया भर के दूरदराज और कनेक्टिविटी से वंचित क्षेत्रों में इंटरनेट सेवा पहुंचाना है, ताकि लोग बेहतर और सस्ते इंटरनेट का लाभ उठा सकें।

राफा क्रॉसिंग के फिर से खुलने के बाद से गाजा के 94 मरीज पंहुचे मिस्र

एजेंसी

काहिरा। राफा क्रॉसिंग के शनिवार को फिर से खुलने के बाद से गाजा पट्टी से कुल 94 फिलिस्तीनी मरीज और उनके साथ आए 125 लोग इस क्रॉसिंग के माध्यम से मिस्र में प्रवेश कर चुके हैं मिस्र के प्रेस सेंटर ने सोमवार को एक बयान में कहा, 'अकेले सोमवार को 23 मरीज और उनके 24 साथी मिस्र पहुंचे। मई 2024 से बंद राफा क्रॉसिंग के शनिवार को शनिवार को फिर से खुलने के बाद, गाजा के 37 मरीज़ों और उनके साथ आए 38 व्यक्तियों का पहला समूह शनिवार को मिस्र में दाखिल हुआ।' फ़लिस्तीनी मीडिया ने बताया कि अधिकतर मरीज कैंसर और हृदय रोग से पीड़ित बच्चे हैं। इनमें चल रहे संघर्ष में घायल हुए व्यक्ति भी शामिल हैं। गौरतलब है कि 19 जनवरी को, हमास और इजरायल के बीच संघर्ष विराम समझौते के तहत मिस्र की ओर से राफा क्रॉसिंग को फिर से खोल दिया गया। मई 2024 से, सीमा के फिलिस्तीनी हिस्से का नियंत्रण इजरायल के पास था, जिसने इसे हाल ही में हुए संघर्ष विराम समझौते तक बंद रखा था।

हमास के साथ युद्धविराम के दूसरे चरण पर चर्चा के लिए कतर टीम भेजेगा इजराइल

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम की शर्तों के तहत दूसरे चरण की वार्ता के लिए इजराइल जल्द ही कतर में एक प्रतिनिधिमंडल भेजेगा। यह निर्णय प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की अमेरिका यात्रा के बाद लिया गया है, जहां उन्होंने वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों से चर्चा की।वाशिंगटन से लौटने के बाद नेतन्याहू इजरायल की राजनीतिक-सुरक्षा कैबिनेट की बैठक बुलाएंगे, जिसमें युद्धविराम समझौते के अगले चरण की समीक्षा की जाएगी और आगे की वार्ता की रणनीति तय की जाएगी। पहले चरण में अब तक 18 बंधकों (13 इजरायली और 5 थाई नागरिकों) को रिहा किया जा चुका है।

स्वीडन: ओरेब्रो के स्कूल में गोलीबारी, 10 की मौत, पुलिस जांच में जुटी

एजेंसी

स्टॉकहोम। स्वीडन के ओरेब्रो शहर में दोपहर एक स्कूल में गोलीबारी की गंभीर घटना सामने आई, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस ने इलाके को घेर लिया और बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया। स्वीडन के न्याय मामलों के मंत्री गन्नर स्ट्रोमर ने इसे चिंताजनक घटना बताते हुए कहा कि पुलिस पूरी तरह से मामले की जांच में जुटी है और सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, एक शिक्षक ने बताया कि उन्होंने कुछ संदिग्ध छात्रों को परिसर में देखा था और करीब 10 राउंड गोलियां चलने की आवाज सुनी। यह एजुकेशन सेंटर मुख्य रूप से 20 वर्ष से अधिक उम्र के छात्रों के लिए है, जहां प्रवासियों को स्वीडिश भाषा की शिक्षा भी दी जाती है। घटना के दौरान छात्रों को पास की एक बिल्डिंग में सुरक्षित पहुंचाया गया, जबकि पूरे परिसर को खाली करा लिया

गया। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में यह घटना सुनियोजित लग रही है और दहशत फैलाने के मकसद से अंजाम दी गई है। फिलहाल पुलिस की दो टीमें हमलावर की तलाश में जुटी हैं। पूरे क्षेत्र की निगरानी बढ़ा दी गई है।

ईरान-इराक संबंध :क्षेत्रीय सुरक्षा, स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए दोनों देश सहयोग बढ़ाने पर सहमत

एजेंसी

तेहरान । ईरान और इराक ने पश्चिम एशियाई क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करने पर सहमति जताई है। ईरानी संसद की समाचार एजेंसी आईसीएएनए ने यह जानकारी दी। एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर कलीबाफ और उनके इराकी समकक्ष महमूद अल-मशहदानी ने सोमवार को दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया। ईरान की राजधानी तेहरान में बैठक के बाद यह प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। कलीबाफ ने कहा, हम अपने द्विपक्षीय राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को बढ़ाना चाहते हैं, जो इस क्षेत्र में, पड़ोसी अरब, गैर-अरब और मुस्लिम राज्यों के बीच शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने में योगदान देगा।

नेतन्याहू पहुंचे वाशिंगटन, ट्रंप का बड़ा ऐलान- अमेरिका गाजा पट्टी पर करेगा कब्जा

एजेंसी

वाशिंगटन। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने यहां अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। इसके बाद दोनों ने संयुक्त संवाददाता को संबोधित किया। ट्रंप ने व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम में संवाददाताओं से कहा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी सेना की मदद से गाजा पट्टी पर कब्जा करेगा। फिलिस्तीनियों को अब वहां से चले जाना चाहिए।'

सीएनएन की खबर के अनुसार, ट्रंप ने कहा संयुक्त राज्य अमेरिका और इजराइल गाजा पट्टी पर मिलकर काम करेंगे। दोनों देश गाजा पट्टी के भविष्य के लिए जिम्मेदार होंगे। सभी खतरनाक गैर-विस्फोटित बमों और अन्य हथियारों को नष्ट किया जाएगा। जमीन को समतल कर नई इमारतों का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा गाजा

पट्टी में अमेरिका अपनी सेना भेज सकता है। गाजा के लिए जो भी जरूरी होगा, वह किया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि वह दीर्घकालिक स्वामित्व की स्थिति महसूस कर रहे हैं। उन्होंने इस संबंध में बहुत लोगों से बातचीत की है। सबका विचार है कि गाजा में संयुक्त राज्य अमेरिका का राज होगा। वहां रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे। नए गाजा के विकास में फिलिस्तीनी शामिल नहीं होंगे।ट्रंप ने कहा कि वह गाजा में शेष बंधकों को मुक्त कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इस अवसर पर ट्रंप की तारीफ की। उन्होंने कहा कि लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने इस प्रयास में बड़ी ताकत और शक्तिशाली नेतृत्व जोड़ा है। संघर्ष विराम और बंधक रिहाई समझौते पर हस्ताक्षर करने के अपने सभी प्रयासों के लिए ट्रंप को अभी भी तीन चरण की योजना के शेष दो चरणों की देखरेख करने की आवश्यकता होगी। नेतन्याहू के वाशिंगटन आने से पहले ट्रंप ने ईरान के प्रति सख्त रुख अपनाते हुए एक निर्देश पर हस्ताक्षर किए हैं। नेतन्याहू रविवार देररात राष्ट्रपति ट्रंप के अतिथि निवास ब्लेयर हाउस पहुंचे।

मोरक्को नाव हादसा, 40 से अधिक पाकिस्तानियों की मौत, 13 की पहचान

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय (एफओ) ने कहा कि पिछले महीने मॉरिटानिया-मोरक्को नाव दुर्घटना में मारे गए 40 पाकिस्तानियों में से 13 की पहचान की पुष्टि कर दी गई है। एफओ ने कहा कि 80 यात्रियों को ले जा रही नाव मोरक्को के पास डूब गई, जिसमें कथित तौर पर 40 से अधिक पाकिस्तानी मारे गए।

'डॉन' की एक रिपोर्ट के अनुसार प्रवासी अधिकार समूह वॉकिंग बॉर्डर्स ने कहा कि पश्चिम अफ्रीका से स्पेन के कैनरी द्वीप को पार करने की कोशिश कर रहे लोगों सहित नवीनतम घातक मलबे में 50 से अधिक प्रवासी डूब गए होंगे। जहाज़ पर सवार लगभग 66 पाकिस्तानियों में से केवल 22 ही इस त्रासदी में बच पाए। जीवित बचे लोगों की स्वदेश वापसी शनिवार को इस्लामाबाद हवाई अड्डे पर आठ बचे लोगों के अंतिम बैच के आगमन के साथ पूरी हो गई। एफओ ने आज जारी एक बयान में कहा, व्यापक सत्यापन की प्रक्रिया के बाद, 13 पाकिस्तानी नागरिकों के शवों की पहचान की गई है। चार पाकिस्तानी नागरिकों के शव सऊदी एयरलाइंस की उड़ान के जरिए पांच फरवरी को इस्लामाबाद पहुंचने वाले हैं।

पाकिस्तान ने मनाया कश्मीर एकजुटता दिवस, भारत के खिलाफ उगला जहर

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने एक बार फिर कश्मीर का राग अलापते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भारत पर दबाव डालने का आह्वान किया है। मुल्क के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के खिलाफ जहर उगलते हुए कहा कि कश्मीर के लोगों को भी अपना भविष्य तय करने का अधिकार है। प्रधानमंत्री शहबाज ने आज पाकिस्तान में मनाए जा रहे कश्मीर एकजुटता दिवस पर अपने संदेश में कहा कि स्थानीय लोगों की वास्तविक आकांक्षाओं को दबाकर स्थायी शांति हासिल नहीं की जा सकती।डॉन समाचार पत्र ने सरकारी 'रेडियो पाकिस्तान' के हवाले से खबर दी है कि राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कश्मीर एकजुटता दिवस पर जारी संदेश में कश्मीर पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान

आकर्षित करने की कोशिश की। शहबाज शरीफ ने कहा कि आत्मनिर्णय का अधिकार अंतरराष्ट्रीय कानून का मौलिक सिद्धांत है। हर साल, संयुक्त राष्ट्र महासभा एक प्रस्ताव अपनाती है जो लोगों के अपने भाग्य का फैसला करने के कानूनी अधिकार पर जोर देता है। उन्होंने कहा कि अफसोस की बात है कि 78 साल बीत जाने के बावजूद कश्मीरी लोगों को अभी तक इस अपरिहार्य अधिकार का प्रयोग नहीं करने दिया गया। शहबाज ने कहा कि भारत ने जम्मू और कश्मीर को दुनिया के सबसे सैन्यीकृत क्षेत्रों में से एक बना दिया है। वहां कश्मीरी भय के माहौल में रह रहे हैं। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, राष्ट्रपति जरदारी ने कहा कि यह दिन वैश्विक समुदाय को उत्पीड़ित कश्मीरी लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी की याद दिलाता है। संयुक्त राष्ट्र को 78 साल पहले कश्मीरियों से किए गए वादों का सम्मान करना चाहिए। स्पीकर चौधरी लतीफ अकबर ने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ आज पाकिस्तान के जम्मू-कश्मीर की राजधानी मुजफ्फराबाद का दौरा करेंगे। वह मुजफ्फराबाद स्थित विधानसभा में सदस्यों को संबोधित भी करेंगे। शरीफ छतर चौक पर शहीद स्मारक का दौरा करेंगे। थल सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर भी शहीद स्मारक में फातेहा पेश करने में प्रधानमंत्री के साथ शामिल होंगे।

मुसलमानों के आध्यात्मिक नेता आगा खान का 88 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी

लिस्बन (पुर्तगाल)। स्वैच्छिक संगठन आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क (एकेडीएन) के संस्थापक आगा खान (चतुर्थ) का निधन हो गया। महज 20 साल की उम्र में दुनिया के लाखों शिया इस्माइली मुसलमानों के आध्यात्मिक नेता बनने वाले खान ने यहां 88 वर्ष की आयु में आखिरी सांस ली। आगा खान फाउंडेशन ने कहा कि उनके उत्तराधिकारी की घोषणा बाद में की जाएगी। वह अपने उत्तराधिकारी का नाम अपनी वसीयत में लिख गए हैं। एकेडीएन की वेबसाइट के अनुसार, आगा खान फाउंडेशन और इस्माइली धार्मिक समुदाय ने घोषणा की कि हिज हाईनेस प्रिंस करीब अल-हुसैनी (आगा खान चतुर्थ) और शिया इस्माइली मुसलमानों के 49वें वंशानुगत इमाम का पुर्तगाल में निधन हो गया। उन्होंने इस्माइली मुसलमानों का आध्यात्मिक नेतृत्व करने के साथ ही अरबों डॉलर की मदद से विकासशील देशों में घरों,

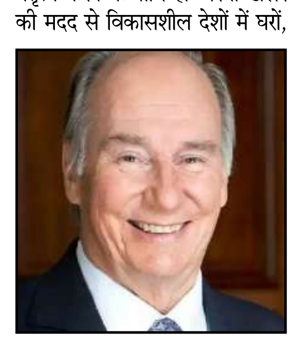

अस्पतालों और स्कूलों का निर्माण कराया। आगा खान ने परिवार के बीच आखिरी सांस ली। उनकी वसीयत लिस्बन में उनके परिवार और धार्मिक नेताओं की उपस्थिति में पढ़ी जाएगी। उत्तराधिकारी को उनके पुरुष वंशजों या रिश्तेदारों में से ही चुना जाता है। आगा खान के परिवार को इस्लाम के पैगंबर मोहम्मद का प्रत्यक्ष वंशज माना जाता है। प्रिंस करीम आगा खान को उनके दादा ने अप्रत्याशित रूप से 1957 में अपने बेटे अली खान को दरकिनार करते हुए उत्तराधिकारी के रूप में नामित किया। अपनी नियुक्ति के समय वे हार्वर्ड ग्रेजुएट थे।

आगा खान चतुर्थ ने अपना सारा जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क आज 96 हजार लोगों को रोजगार देता है। वह स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, आवास और आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करता है। आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क ने अफगानिस्तान, बांग्लादेश और ताजिकिस्तान से लेकर कई देशों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

फिलिस्तीनी हमलावर ने किया सात इजरायली सैनिकों को घायल, हमलावर मारा गया

एजेंसी

यरुशलम। फिलिस्तीनी हमलावर ने पश्चिमी तट पर सात इजरायली सैनिकों को गोली मारकर घायल कर दिया, जिसके बाद

इजरायल के सैनिकों ने उसे मार गिराया। इजराइल की मैगन डेविड एडोम बचाव सेवा ने कहा कि घायलों में से दो की हालत गंभीर है और उन्हें हवाई मार्ग से अस्पताल ले जाया गया है। हमलावर ने उत्तरी जॉर्डन घाटी में तयासीर चेकपॉइंट के पास एक आउटपोस्ट पर तैनात सैनिकों पर गोलीबारी की। सैनिकों और हमलावर के बीच गोलीबारी में हमलावर मारा गया। यह घटना इजरायली सैन्य अभियान के विस्तार की घोषणा के दो दिन बाद हुई है, जो उत्तरी पश्चिमी तट पर तम्मुन शहर तक फैला हुआ है। फिलिस्तीनी आंकड़ों के अनुसार पिछले महीने जेनिन में अभियान शुरू होने के बाद से इजरायली बलों द्वारा कम से कम 27 लोग मारे गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में बीएपीएस हिंदू मंदिर और सांस्कृतिक परिसर का उद्घाटन

एजेंसी

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर और सांस्कृतिक परिसर का उद्घाटन भव्य और ऐतिहासिक समारोह के साथ हुआ। यह दक्षिण अफ्रीका के हिंदू समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण साबित हुआ। इस उद्घाटन समारोह की शुरुआत 1 फरवरी (शनिवार) को एक भव्य नागर यात्रा (शोभायात्रा) से हुई, जिसमें सड़कों पर भक्तों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ पवित्र मूर्तियों की झांकी निकाली। इस यात्रा में भक्तों ने भजन-कीर्तन, नृत्य, और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ उत्सव मनाया। शोभायात्रा का माहौल भक्ति, एकता और आनंद से भरपूर था। इसके बाद, 2 फरवरी (रविवार) को पवित्र मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा का समारोह संपन्न हुआ। इसके साथ ही यह मंदिर आधिकारिक रूप से आध्यात्मिकता और दिव्यता का केंद्र बन गया। यह मंदिर केवल एक भौतिक संरचना नहीं, बल्कि बीएपीएस परंपरा के वर्षों की भक्ति, त्याग और समर्पण का प्रतीक है। बीएपीएस की दक्षिण अफ्रीका में आध्यात्मिक यात्रा का आरंभ 20 मार्च 1960 को हुआ था, जब परम पूज्य योगीजी महाराज ने लिंपोपो नदी के तट पर खड़े होकर इस भूमि को आशीर्वाद दिया था। इस यात्रा में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में सामाजिक समानता, आर्थिक स्थिरता और आध्यात्मिक उत्थान की भविष्यवाणी की थी। उनके बाद प्रमुख स्वामी महाराज ने 1974 से 2004 के बीच सात बार दक्षिण अफ्रीका की यात्रा की और भक्तों को प्रेरित किया। आज, महंत स्वामी महाराज के नेतृत्व में इस दिव्य संकल्प को साकार रूप में देखा जा रहा है। जोहान्सबर्ग का यह मंदिर बीएपीएस के 35 मंदिरों में से एक है, जो पूरे अफ्रीका में फैले हुए हैं। बीएपीएस ने विश्व भर में 1,300 से अधिक मंदिरों की स्थापना की है, जो आध्यात्मिकता, संस्कृति और सेवा के प्रमुख केंद्र बने हुए हैं। यह मंदिर सिर्फ एक भव्य निर्माण नहीं, बल्कि भक्ति, त्याग और एकता का प्रतीक है। मंदिर के निर्माण में सैकड़ों स्वयंसेवकों ने अपना समय, श्रम और संसाधन अर्पित किए हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान, बीएपीएस के एक वरिष्ठ संत ने कहा कि यह मंदिर हमारे गुरुजनों की दिव्य दृष्टि और भक्तों के निस्वार्थ समर्पण का परिणाम है। यह आध्यात्मिक उत्थान, सांस्कृतिक संरक्षण और समाज सेवा का केंद्र बनेगा। बीएपीएस द्वारा निर्मित कई मंदिर आज दुनियाभर में लाखों लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। दिल्ली का अक्षरधाम मंदिर, अबू धाबी का बीएपीएस हिंदू मंदिर, लंदन का बीएपीएस मंदिर और न्यू जर्सी का अक्षरधाम मंदिर केवल स्थापत्य के अद्भुत उदाहरण नहीं, बल्कि जीवन को शांति और आनंद से भरने के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। ये मंदिर सद्गुणों पर आधारित जीवन जीने की प्रेरणा देते हुए आध्यात्मिकता की ज्योति को लोगों के हृदयों में प्रज्वलित करते हैं। बीएपीएस की नींव स्वामी यज्ञ पुरुष दास जी ने रखी थी। उनके द्वारा लिखित 'लिखित शास्त्री यज्ञ पुरुष दास' ग्रंथों ने बीएपीएस के विस्तार के लिए आध्यात्मिक आधार प्रदान किया।

स्थानीय समाचार

सतीश शर्मा ने केएनवीबी डच फुटबॉल एसोसिएशन के कोचों के साथ बातचीत की

जम्मू 05 फरवरी । युवा सेवा और खेल मंत्री सतीश शर्मा ने क्षेत्र में फुटबॉल विकास पहल पर चचर्चा करने के लिए केएनवीबी डच फुटबॉल एसोसिएशन के प्रशिक्षकों के साथ बातचीत की।

सतीश शर्मा ने जमीनी स्तर पर फुटबॉल को बढ़ावा देने महिलाओं की भागीदारी और ग्रामीण, आदिवासी और सीमावर्ती क्षेत्रों में खेल के विस्तार के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में कोच और रेफरी शिक्षा, युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम और फुटबॉल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का स्वागत किया।

पहल के हिस्से के रूप में कोचों और रेफरी के लिए एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया जा रहा है ताकि उनके कौशल को बढ़ाया जा सके और अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ तालमेल बिठाया जा सके।

मंत्री ने जम्मू-कश्मीर में युवा फुटबॉलरों के लिए बेहतर अवसर सुनिश्चित करने के लिए संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और वैश्विक साझेदारी के लिए सरकार के समर्थन की पुष्टि की।

सरकार जम्मू-कश्मीर में विकासात्मक बदलाव ला रही है : रतन लाल गुप्ता

जम्मू 5 फरवरी। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष एडवोकेट रतन लाल गुप्ता ने कहा कि लोकप्रिय सरकार क्षेत्र के विकास परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव ला रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में नेशनल कॉन्फ्रेंस लोगों को आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में अंतर को पाटने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने यह टिप्पणी शेर-ए-कश्मीर भवन जम्मू में महिला पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत करते हुए की। बैठक का आयोजन जम्मू की कार्यकारी महिला विंग की अध्यक्ष श्रीमती रजनी देवी के नेतृत्व में किया गया जिसमें पूर्व विधायक और राज्य उपाध्यक्ष श्रीमती बिमला लूथरा, जम्मू की प्रांतीय अध्यक्ष महिला विंग श्रीमती सतवंत कौर डोगरा और जम्मू के प्रांतीय सचिव शेख बशीर अहमद मौजूद थे जिन्होंने वरिष्ठ नेतृत्व को भाजपा शासन के पिछले दस वर्षों के दौरान महिलाओं की पीड़ा से अवगत कराया।

बैठक की शुरुआत में उन्होंने बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और अपर्याप्त कल्याणकारी उपायों के कारण महिलाओं के सामने आ रही बढ़ती कठिनाइयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि पिछली सरकार महिलाओं की सुरक्षा, आर्थिक सशक्तीकरण और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों को संबोधित करने में विफल रही जिससे वे असुरक्षित और उपेक्षित रह गईं। उन्होंने एनसी नेतृत्व से महिला.केंद्रित नीतियों को प्राथमिकता देने, प्रगतिशील जम्मू-कश्मीर के लिए पार्टी के दृष्टिकोण में उनके अधिकारों, सम्मान और समान अवसरों को सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

सभा को संबोधित करते हुए रतन लाल गुप्ता ने कहा कि एनसी नेतृत्व लोगों की चिंताओं को कम करने और उनकी शिकायतों को समयबद्ध तरीके से दूर करने के लिए उनके दरवाजे पर सक्रिय रूप से पहुंच रहा है।

एनसी के नेतृत्व वाले प्रशासन के सक्रिय शासन पर प्रकाश डालते हुए रतन लाल गुप्ता ने याद किया कि कैसे उमर अब्दुल्ला और उनके कैबिनेट मंत्रियों ने जनता के मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर जनता दरबार लगाकर संबोधित किया जो उत्तरदायी शासन के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उमर अब्दुल्ला की सरकार के पहले 100 दिनों की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने अकादमिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 575 व्याख्याता पदों को मंजूरी देने और पीएससी उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु सीमा बढ़ाने का उल्लेख किया। प्रमुख सुधारों में डेंटल कॉलेजों के लिए तीन-स्तरीय संकाय संरचना, सुव्यवस्थित वित्तीय संचालन के लिए जम्मू-कश्मीर जीएसटी अधिनियम में संशोधन और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए कुछ सरकारी नौकरियों के लिए मौखिक परीक्षा को समाप्त करना शामिल है।

इसके अतिरिक्त लंबित डीए बकाया का भुगतान करके सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को वित्तीय राहत प्रदान की गई। उन्होंने कहा वर्तमान सरकार बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने में प्रगति कर रही है। नियमित जल आपूर्ति, चिकित्सा क्षेत्र में अनुशासन और सार्वजनिक सेवा वितरण में बेहतर शासन हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं।

जेएमसी ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत रोड स्वीपिंग मशीनें शुरू कीं

जम्मू 05 फरवरी । जम्मू नगर निगम ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत क्षेत्र में सफाई और स्वच्छता में सुधार के लिए अपने चल रहे प्रयासों के तहत वार्ड नंबर 50 चन्नी हिम्मत में रोड स्वीपिंग मशीनों की तैनाती शुरू की है। इस पहल का शुभारंभ विधानसभा सदस्य विक्रम रंधावा और जेएमसी के आयुक्त डॉ. देवांश यादव की मौजूदगी में किया गया।

शुभारंभ समारोह में दोनों गणमान्य व्यक्तियों ने सार्वजनिक स्वच्छता बनाए रखने और स्थानीय निवासियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने में मशीनीकृत सफाई के महत्व को रेखांकित किया।

इससे पहले एक सार्वजनिक संवाद सत्र आयोजित किया गया था जिसके दौरान दोनों वक्ताओं ने समुदाय के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की जनता की शिकायतों को सुना और निवासियों को आश्वासन दिया कि उनकी चिंताओं का तुरंत समाधान किया जाएगा। अपने संबोधन में विधायक विक्रम रंधावा ने जम्मू में नागरिक सुविधाओं को बढ़ाने और स्वच्छता मानकों को बेहतर बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। आयुक्त ने इस बात पर जोर दिया कि सड़क सफाई मशीनों की शुरूआत से सफाई प्रक्रिया की दक्षता में काफी वृद्धि होगी और स्वच्छ भारत मिशन के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप मैनुअल श्रम में काफी कमी आएगी।चन्नी हिम्मत के निवासियों ने इस पहल का गर्मजोशी से स्वागत किया और शहर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने के उद्देश्य से किए जा रहे निरंतर प्रयासों के लिए अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया।

बेहतर उपज के लिए फरवरी में कृषि, बागवानी कार्यों को करें

बसंत कालीन के समय में कृषि और बागबानी कार्य करने के लिए क्या क्या करना चाहिए यह किसानों को जानकारी होना अति आवश्यक है ,किसान भाई समय के अनुसार अपनी फसलों की देखवल कर सकते हैं

बागवानी

आम में खर्रा रोग (पाउडरी मिल्ड्यू) से बचाव के लिए माह के प्रथम पक्ष में घुलनशील गंधक 80 प्रतिशत डब्लू. पी. 0.2 प्रतिशत (2 ग्राम 1 लीटर पानी में घोलकर) घोल का छिड़काव करें. द्वितीय पक्ष में कैराथेन या कैलिक्सिन 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें.

- आम में भुनगा कीट की रोकथाम के लिए इमिड़ाक्लोप्रिड 1.0 मिली. प्रति 3 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें.

पुष्प व सगन्ध पौधे

- गुलदाउदी के सकर्स को अलग करके गमलों में लगा दें.

- गर्मी के फूलों जैसे जीनिया, सनफ्लावर, पोर्चुलाका व कोचिया के बीजों को नर्सरी में बोयें.

- मेंथा में 10-12 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करें तथा बुवाई के 30 दिन बाद निराई-गुड़ाई कर दें.

- बुवाई के समय के हिसाब से गेहूं में दूसरी सिंचाई बुवाई के 40-45 दिन बाद तथा तीसरी सिंचाई 60-65 दिन की अवस्था में कर दें. चौथी सिंचाई बुवाई के 80-85 दिन बाद बाली निकलने के समय करें.

- गेहूँ के खेत में चूहों का प्रकोप होने पर जिंक फास्फाइड से बने चारे अथवा एल्यूमिनियम फास्फाइड की टिकिया का प्रयोग करें.

खेत में यदि कंडुआ रोग से ग्रस्त बाली दिखाई दे तो उसे निकाल कर जला दें.

चने की फसल को फली छेदक कीट से बचाव के लिए फली बनना शुरू होते ही बैसिलस थूरिनजेन्सिस (बी.टी.) 1.0 किग्रा अथवा फेनवैलरेट 20 प्रतिशत ई.सी.1.0 लीटर अथवा क्यूनालफास 25 प्रतिशत ई.सी. 2.0 लीटर प्रति हेक्टेयर 500-600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें.

मटर में बुकनी रोग (पाउडरी मिल्ड्यू) की रोकथाम के लिए प्रति हेक्टेयर 2.0 किग्रा घुलनशील गंधक या कार्बेन्डाजिम 500 ग्राम दर से 12-14 दिन के अंतराल पर दो छिड़काव करें.

माहूं कीट की रोकथाम के लिए प्रति हेक्टेयर मिथाइल-ओ- डिमेटान 25 ई.सी. 1.00 लीटर या मैलाथियान 50 ई.सी. 1.50 लीटर का प्रयोग करना चाहिए.

- बसंतकालीन गन्ने की बुवाई देर से काटे गये धान वाले खेत में और तोरिया/मटर /आलू की फसल से खाली हुए खेत में की जा सकती हैं.

- गन्ने की मध्यम एवं देर से पकने वाली प्रमुख किस्में - को.शा. 767, को.शा. 802, को.शा. 7918 एवं को.शा. 8118 आदि हैं. तो वहीं, जल्दी तैयार होने वाली किस्में - को. पन्त 211, को.शा. 687 व को.शा. 8436 आदि हैं.

जल-निकास की समस्या वाले क्षेत्रों के लिए बी.ओ. 54 व बी.ओ. 91 अच्छी किस्में हैं.

आइए आपको बताते हैं कि आप फरवरी में कौन-कौन सी लता वर्गीय सब्जियों की बुवाई कर सकते हैं. बाजार में आने वाले मौसम और समय को देखते हुए ही किसानों को बुवाई करनी चाहिए जिससे बाज़ार में उसकी मांग के चलते अच्छी कीमत मिल सके

इसकी खेती देश के लगभग सभी राज्यों में की जाती है. चिकनी तोरई के सूखे बीजों से तेल भी निकाला जाता है. आपको बता दें कि फल में अधिक मात्रा में पानी होने के कारण इसकी तासीर ठंडी होती है. तोरई की खेती के लिए गर्म तथा आर्द्र जलवायु की आवश्यकता होती है और साथ ही जल निकास वाली जीवांशयुक्त सभी प्रकार की मिटटी में इसकी बुवाई की जा सकती है. इतना ही नहीं, अच्छी पैदावार के लिए बलुई दोमट या दोमट मिटटी अधिक उपयुक्त मानी गयी है.

उन्नत किस्में- पूसा स्नेलध, काशी दिव्या, स्वर्ण प्रभा, कल्याणपुर हरी चिकनी, राजेन्द्र तोरई 1, पंत चिकनी तोरई 1 इसकी किस्मों में शामिल हैं.

गर्मियों में तैयार होने वाली इसकी फसल बहुउपयोगी है. करेला कई बिमारियों के लिए लाभदायक है, इसलिए इसकी मांग भी बाजार में ज़्यादा रहती है. किसान इससे अच्छा मुनाफ़ा कमा सकते हैं. करेले की फसल को पूरे भारत में कई प्रकार की मिटटी में उगाया जाता है. वैसे इसकी अच्छी वृद्धि और उत्पादन के लिए अच्छे जल निकास युक्त जीवांश वाली दोमट मिट्टी उपयुक्त मानी जाती है.

उन्नत किस्में- किसान फरवरी में करेले की पूसा हाइब्रिड 1,2 की बुआई कर सकते हैं. इसके साथ ही पूसा दो मौसमी, पूसा विशेष, कल्याणपुर, प्रिया को- 1, एस डी यू- 1, कोइम्बटूर लांग, कल्यानपुर सोना, बारहमासी करेला, पंजाब करेला- 1, पंजाब- 14, सोलन हरा, सोलन और बारहमासी भी इनमें शामिल हैं.

लौकी में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और खनिज लवण के अलावा पर्याप्त मात्रा में विटामिन पाए जाते हैं. इसकी खेती पहाड़ी इलाकों से लेकर दक्षिण भारत के राज्यों तक की जाती है. इसके सेवन से गर्मी दूर होती है और यह पेट सम्बन्धी रोगों को भी दूर भगाती है. इसकी खेती के लिए गर्म और आद्र जलवायु की आवश्यकता होती है. सीधे खेत में बुवाई करने के लिए बुवाई से पहले बीजों को 24 घंटे पानी में भिगोकर रखें. इससे बीजों की अंकुरण प्रक्रिया गतिशील हो जाती है. इसके बाद बीजों को खेत में बोया जा सकता है.

उन्नत किस्में- लौकी की किस्मों में पूसा संतुष्टि, पूसा संदेश (गोल फल) , पूसा समृध्दि एवं पूसा हाईबिड 3, नरेंद्र रश्मि, नरेंद्र शिशिर, नरेंद्र धारीदार, काशी गंगा और काशी बहार शामिल हैं.

खीरे की तासीर ठंडी होती है और यही वजह है कि लोग इसका उपयोग गर्मियों में ज़्यादा करते हैं जिससे अपने आप को गर्मी से बचा सकें. इसका सेवन पानी की कमी को भी दूर करता है. देश के कई क्षेत्रों में इसकी खेती प्राथमिकता पर की जाती है. इसकी खेती के लिए सर्वाधिक तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस होना चाहिए. साथ ही अच्छे विकास के लिए तथा फल-फूल के लिए 25 से 30 डिग्री सेल्सियस तापमान अच्छा माना जाता है. इसकी खेती के लिए बलुई दोमट या दोमट भूमि, जल निकास के साथ बेहतर मानी जाती है.

उन्नत किस्में- जापानी लौंग ग्रीन, चयन, स्ट्रेट- 8 और पोइनसेट, स्वर्ण पूर्णिमा, पूसा उदय, पूना खीरा, पंजाब सलेक्शन, पूसा संयोग, पूसा बरखा, खीरा 90, कल्यानपुर हरा खीरा, कल्यानपुर मध्यम और खीरा 75, पीसीयूएच- 1, स्वर्ण पूर्णा और स्वर्ण शीतल शामिल हैं.

पौधों में पोषक तत्वों की कमी के लक्षण पत्तियों पर दिखाई देते हैं. हर एक तत्व की कमी के लक्षण अलग-अलग होते हैं. अधिकतर अवस्थाओं में पत्तियां पीली हो जाती हैं. अगर इस पीलेपन की समय पर पहचान हो जाए तो उपयुक्त खाद या पर्णीय स्प्रे के द्वारा इसको दूर किया जा सकता है.

गेहूं की खड़ी फसल में पीलेपन के कई कारण हो सकते हैं. इस पीलेपन की समस्या का समाधान पीलेपन के कारण में ही निहित है इसलिए पहले पीलेपन के कारण को जानना अति आवश्यक है.

किसी भी अवशेष या भूमि की कार्बन नत्रजन (सी-एन) अनुपात 20:1 के आसपास आदर्श मानी जाती है, परंतु यदि यह अनुपात ज्यादा हो जाए तो मृदा के अंदर परिवर्तन होता है. जब किसान भाई खेत तैयार करते हैं तो पुरानी फसल के कार्बनिक अवशेष खेत में मिल जाते हैं. इन अवशेषों के कारण खेत में कार्बन तथा नत्रजन का अनुपात बढ़ता है. इसे सी-एन अनुपात कहते हैं यानि कार्बन-नत्रजन अनुपात. यह अनुपात प्राप्त पोषक तत्वों की मात्रा फसल को मिलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. यदि हम धान की पराली मिट्टी में दबाएं जिसकी सीएन अनुपात 80:1 होती है, तो सूक्ष्म जीव जैसे बैक्टीरिया, फफूंद, अक्टिनोमीसीटेस आदि क्रियाशील हो जाते हैं तथा इसके विघटन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं. ये ज्यादा मात्रा में कार्बन डाई ऑक्साइड पैदा करते हैं. परंतु ये नाइट्रेट नत्रजन को, जोकि पौधों को लेनी होती है, उसे भोजन के रूप में उपयोग करते हैं. इससे मृदा में नत्रजन की कमी आ जाती है तथा कमी के लक्षण पुरानी पत्तियों पर पीलेपन के रूप में दिखाई देते हैं. इससे नत्रजन की कमी आती है जिसको रोकने के लिए बुवाई के समय यूरिया डालने की सलाह दी जाती है.

चूंकि नत्रजन पौधों में चलायमान है, इसकी कमी के लक्षण पौधे में पहले पुरानी पत्तियों पर दिखाई देते हैं. नयी पत्तियां हरी रहती हैं. पुरानी पत्तियां पीली पड़ जाती हैं. कमी ग्रस्त पौधों की ऊंचाई कम होती है तथा शाखाएं कम बनती हैं. ज्यादा कमी की अवस्था में पूरी पत्ती पीली होकर जल जाती है. इस तत्व की पूर्ति के लिए 130 किलो यूरिया की सिफ़ारिश है. यदि फॉस्फोरस डी ए पी के द्वारा दिया जाना है तो 110 किलो यूरिया डालें. खड़ी फसल में कमी आने पर 2.5 प्रतिशत यूरिया का घोल साडावीर 4G का छिड़काव करना लाभदायक है.

लोहे की कमी में पीलापन नई पत्तियों पर दिखाई देता है जबकि नाइट्रोजन की कमी में पीलापन पुरानी पत्तियों में दिखाई देता है. हल्का पीलापन धारियों में दिखाई देता है. अगर खरीफ़ सीजन में खेत में ज्वार या मक्का की फसल की बुवाई की गई हो तो इनकी पत्तियों को देखें. यदि नई पत्तियों पर सफ़ेद धारियाँ दिखाई दें तो लौह तत्व की कमी है. ऐसे में फेरस सल्फेट 1 किलो व साडावीर 4G का या 500 ग्राम ब्रह्मास्त्र छिड़काव करना लाभदायक है.

सल्फ़र की कमी के कारण भी फसलों में नए पत्ते पीले हो जाते हैं. सल्फ़र की कमी गेहूं में कम ही देखने को आती है पर मिट्टी की जांच करवा कर सल्फ़र की कमी को दूर करना लाभदायक रहता है. फसल के बुवाई से पहले खेत तैयार करते समय 200 किलोग्राम 4 (बैग) जिप्सम डालने से खेत की भौतिक दशा के सुधार होने के साथ-साथ सल्फ़र की मांग भी पूरी हो जाती है.ऐसे में सल्फर 200 मिली व साडावीर फंगस फाइटर का छिड़काव या 500 ग्राम ब्रह्मास्त्र करना लाभदायक है. बोरान की कमी के कारण भी फसलों में नए पत्ते पीले हो जाते हैं. बोरान की कमी गेहूं में कम ही देखने को आती है पर मिट्टी की जांच करवा कर बोरान की कमी को दूर करना लाभदायक रहता है. फसल के बुवाई से पहले खेत तैयार करते समय 3 किलो बोरान व् 1 किलो साडावीर डालने से खेत की भौतिक दशा के सुधार होने के साथ-साथ बोरान की मांग भी पूरी हो जाती है.ऐसे में बोरान 1 किलो व साडावीर 4त्र या 500 ग्राम ब्रह्मास्त्र का छिड़कावकरना लाभदायक है.

1. गेहूं की फसल में सूत्रकृमि के प्रकोप के कारण जड़ें नष्ट हो जाती हैं जिसके कारण पौधों का समुचित विकास नहीं हो पाता तथा जड़ों के पोषक तत्व न उठाने के कारण पीलापन आ जाता है. मोल्या रोधी किस्म राज एम आर-1 की बुवाई करने तथा उचित फसल चक्र को अपना कर इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है.

2. दीमक के प्रकोप के कारण भी जड़ें या तना में पूर्ण रूप या आंशिक रूप से कटाव हो जाता है जिसके कारण पौधा पीला पड़ जाता है. सिफ़ारिश शुदा कीटनाशक के उपयोग से दीमक के प्रकोप को कम किया जा सकता है

3. जलभराव सेम या मिट्टी के लवणीय होने के कारण पौधों की जड़ें क्षतिग्रस्त हो जाती है जिसके परिणामस्वरूप पोषक तत्वों का ग्रहण ठीक प्रकार से नहीं हो पाता जिसके कारण पोषक तत्वों की कमी आ जाती है. इस अवस्था में पर्णीय छिड़काव लाभदायक होता है.

4. फफूंद जनित रोग जैसे की पीला रत्वा आदि के प्रकोप से भी फसल में पीलापन आ जाता है. अत: इस प्रकार के पीलेपन को पहचान कर इसका समय पर निदान करना चाहिए.

सब्जियों की खेती

- आलू और टमाटर की फसल को झुलसा रोग से बचाने के लिए मैंकोजेब 1.0 किग्रा 75 प्रतिशत हेक्टेयर 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें.

- लहसुन में यदि नाइट्रोजन की दूसरी टाप ड्रेसिंग न की हो तो यूरिया की 75 किग्रा मात्रा बुवाई के 60 दिन बाद डालकर सिंचाई करें. रोग एवं कीट से बचाव के लिए एक सुरक्षात्मक छिड़काव मैंकोजेब 2 ग्राम तथा इमिडा क्लोरपिंड 1 मिली प्रति लीटर पानी में घोलकर करें.

- लोबिया की बुवाई के लिए इस समय पूसा दो फसली, लोबिया 263 व पूसा फागुनी उपयुक्त किस्में हैं.

डीडीसी ने एलओसी के पास के गांवों में विकास कार्यों का निरीक्षण किया

पुंछ 05 फरवरी । जिला विकास आयुक्त पुंछ विकास कुंडल ने क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को बढ़ाने के उद्देश्य से विकासात्मक परियोजनाओं की प्रगति का आकलन करते हुए पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के साथ गांवों का व्यापक दौरा किया।

दौरे के दौरान डीडीसी विकास कुंडल ने कई प्रमुख स्थानों का निरीक्षण किया जिसमें दल्लन गांव में आने वाली लिफ्ट सिंचाई और जल आपूर्ति योजनाएं, डेगर टेरवां में पंचायत घर का निर्माण, डेगर टेरवां में सरकारी हाई स्कूल और डेगवार मालदियाना में सरकारी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल के कामकाज शामिल हैं। उन्होंने चल रही परियोजनाओं में तेजी लाने और उन्हें समय पर पूरा करने को सुनिश्चित करने के लिए विशिष्ट निर्देश जारी किए।

देगवार टेरवां के पास नियंत्रण रेखा की शून्य रेखा पर डीडीसी कुंडल ने स्थानीय निवासियों के साथ बातचीत की, जिन्होंने कई विभागों के जिला अधिकारियों की उपस्थिति में विभिन्न मांगें प्रस्तुत कीं और स्थानीय विकासात्मक आवश्यकताओं का अनुमान लगाया। उन्होंने कार्यकारी अधिकारियों को इन चिंताओं का तुरंत समाधान करने का निर्देश दिया।

शैक्षणिक संस्थानों के अपने दौरे के दौरान डीडीसी कुंडल ने शिक्षकों और छात्रों से मुलाकात की। उन्होंने मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता का निरीक्षण किया और सुरक्षा बढ़ाने के लिए डेगवार टेरवां में राजकीय उच्च विद्यालय की चारदीवारी के निर्माण की घोषणा की।

दल्लन में लिफ्ट सिंचाई योजना में डीडीसी कुंडल ने अधिकारियों को स्थानीय निवासियों को लाभ पहुंचाने के लिए स्थापना के विस्तार के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने सीमावर्ती गांवों के पास बंकरों का भी निरीक्षण कर उनकी स्थिति का आकलन किया।

इस दौरे ने नागरिक मुद्दों को संबोधित करने विकास कार्यों में तेजी लाने और स्थानीय निवासियों के समग्र बुनियादी ढांचे और जीवन स्तर में सुधार के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

डीडीसी कुंडल ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत निर्मित घर की चाबी भी मालिक रसमा बी को सौंपी। लाभार्थी ने इस पहल के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया जिससे उसकी जीवन स्थितियों में काफी सुधार हुआ है। डीडीसी के साथ एसीडी पुंछ, सीईओ शिक्षा, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी और अन्य जिला और क्षेत्रीय अधिकारी भी थे।

आयुक्त सचिव आईटी द्वारा बीआईएसएजी द्वारा संभाली जा रही परियोजनाओं की समीक्षा

जम्मू 05 फरवरी। सूचना प्रौद्योगिकी के आयुक्त सचिव सौरभ भगत ने नागरिक सचिवालय जम्मू में भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग और भू.सूचना विज्ञान संस्थान द्वारा संभाली जा रही जम्मू और कश्मीर की विभिन्न परियोजनाओं के संबंध में एक समीक्षा बैठक की।

बैठक में बीआईएसएजी.एन के परियोजना निदेशक के अलावा सीईओ जेकेजीएए एसआईओ एनआईसी जम्मू.कश्मीरए निदेशक वित्त आईटीए अतिरिक्त सचिव आईटी एवं विभाग के अन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

बैठक के दौरान आयुक्त सचिव ने बीआईएसएजी.एन द्वारा संभाली जा रही सभी परियोजनाओं की समीक्षा की।

उन्होंने सीएम सचिवालय में राबता.शिकायत निवारण विंगए जेके समाधान 2० के तहत शिकायतों का एआई.आधारित वर्गीकरणए किसान खिदमत घरए दक्ष किसानए जेके युवा ऐप ;मिशन युवाद्धए सेहत मोबाइल एप्लीकेशनए प्रगति परिणाम ट्रैकिंग एप्लिकेशन.एचएडीपीए हथकरघा वस्तुओं के लिए ई.कॉमर्सए जेके जलशक्ति मोबाइल ऐपए किसान साथी आउटपुट ट्रैकिंग मोबाइल एप्लिकेशनए जेके पीडब्ल्यूडी मोबाइल ऐपए पीएम.गतिशक्ति.राज्य मास्टर प्लानए राजस्व.कैडस्ट्राल मैपिंग और जेकेसीआईपी सहित जेके.समाधान जैसी परियोजनाओं का विस्तृत मूल्यांकन किया।

आयुक्त सचिव ने बीआईएसएजी.एन को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवीकरण क्षेत्र में 25 मेगावाट से कम क्षमता वाली छोटी जलविद्युत परियोजनाओं के लिए ऑनलाइन एनओसी आवेदन करने के लिए पीएम गति शक्ति पर आधारित एक एप्लिकेशन विकसित करने के लिए कहा।